शं नो वरूणः

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

04 दिसंबर : भारतीय नौ सेना दिवस

भारतीय नौ सेना का अदम्य साहस और समुद्री विरासत का उत्सव

वर्ष -15, संयुक्तांक - 34+35 | कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 29 नवंबर से 12 दिसंबर 2024 | पृष्ठ-8, मूल्य -रू.3.00

हर साल 4 दिसंबर को भारतीय नौसेना दिवस मनाया जाता है। यह दिन 1971 के भारत-पाक युद्ध में नौसेना की ऐतिहासिक जीत, ऑपरेशन ट्राइडेंट, को सम्मानित करने के लिए समर्पित है। इस वर्ष भारतीय नौसेना 'स्वर्णिम विजय वर्ष' के रूप में 1971 के युद्ध में भारत की विजय की 50वीं वर्षगांठ मना रही है।

ऑपरेशन ट्राइडेंट-भारतीय नौसेना की गौरवगाथा

1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान, ऑपरेशन ट्राइडेंट भारतीय नौसेना की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक था। यह कराची बंदरगाह पर किया गया एक आक्रामक हमला था, जिसमें पहली बार भारत ने एंटी-शिप मिसाइलों का इस्तेमाल किया। इस अभियान में भारतीय नौसेना के तीन प्रमुख युद्धपोत - आईएनएस निपट, आईएनएस निर्घट और आईएनएस वीर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और पाकिस्तानी विध्वंसक जहाज पीएनएस खैबर को नष्ट कर दिया।

भारतीय नौसेना की ताकत और भूमिका

भारतीय नौसेना देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा का जिम्मा उठाने वाली एक अद्वितीय सैन्य शाखा है। इसका नेतृत्व भारत के राष्ट्रपति करते हैं, जो इसके सर्वोच्च कमांडर होते हैं। नौसेना का आदर्श वाक्य है शं नो वरूण:, जिसका अर्थ है जल देवता वरुण हमारे लिए शुभ हों।

नौसेना का इतिहास 1612 में ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा इसकी स्थापना से शुरू होता है। आज, भारतीय नौसेना ने आधुनिक तकनीक और सशक्त जहाजों के साथ एक अद्भुत सैन्य शक्ति का रूप ले लिया है। इसमें परमाणु ऊर्जा संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिहंत और विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य जैसे प्रमुख जहाज शामिल हैं। हाल ही में निर्मित स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत भी नौसेना की ताकत में वृद्धि कर रहा है।

आधुनिक प्रदर्शन और मारक क्षमता

भारतीय नवसेना दिवस 2024 के अवसर पर, भारतीय नौसेना पुरी, ओडिशा के ब्लू फ्लैग बीच पर एक भव्य 'ऑपरेशनल डेमोंस्ट्रेशन' प्रस्तुत करेगी। इस कार्यक्रम में 15 से अधिक जहाज, पनडुब्बियां और 40 से अधिक विमान अपनी ताकत और कौशल का प्रदर्शन करेंगे। प्रदर्शन में मिग-29के और हॉक लड़ाकू विमानों के हवाई करतब, मरीन कमांडो (माकोज़) के युद्धाभ्यास, पनडुब्बी संचालन और युद्धपोतों से रॉकेट फायरिंग जैसी गतिविधियां शामिल होंगी।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय जनता को नौसेना की समुद्री क्षमताओं और इसकी कठिन प्रशिक्षण प्रक्रिया की झलक दिखाना है। यह नौसेना के विभिन्न अभियानों और इसके बहुमुखी कौशल को उजागर करने का एक सुनहरा अवसर है।

समुद्री विरासत का सम्मान

पुरी में होने वाला नौ सेना दिवस 2024 कार्यक्रम ओडिशा की समृद्ध समुद्री विरासत का भी सम्मान है। ओडिशा, अपने प्राचीन समुद्री व्यापार मार्गों के लिए प्रसिद्ध है। सदियों पहले यहां के साधबाओं ने दक्षिण-पूर्व एशिया की ओर समुद्री यात्रा की थी, जिसे हर साल कटक में मनाए जाने वाले बालि यात्रा उत्सव में याद किया जाता है। आधुनिक भारतीय युद्धपोतों द्वारा किए गए प्रदर्शन के माध्यम से यह समुद्री परंपरा पुनर्जीवित होगी।

सुरक्षा और प्रशासनिक तैयारियां

इस आयोजन को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए भारतीय नौसेना और ओडिशा सरकार ने विस्तृत योजनाएं बनाई हैं। यातायात प्रबंधन और पार्किंग के विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही, ब्लू फ्लैग बीच पर स्वच्छता बनाए रखने की अपील की गई है। सुरक्षा कारणों से ड्रोन, पतंग और अन्य उड़ने वाली वस्तुओं के संचालन पर भी रोक लगाई गई है।

विशेष अतिथि और सांस्कृतिक कार्यक्रम

नौ सेना दिवस 2024 कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू होंगी और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी इस आयोजन की मेजबानी करेंगे।

शाम के समय, ईस्टर्न नेवल कमांड बैंड 'बीटिंग रिट्रीट' समारोह प्रस्तुत करेगा, जिसके बाद ड्रोन और लेज़र शो होगा। यह आयोजन न केवल नौसेना की सैन्य क्षमताओं को प्रदर्शित करेगा बल्कि सांस्कृतिक धरोहर को भी सजीव करेगा।

नौ सेना दिवस 2024, भारतीय नौसेना के अदम्य साहस, अनुशासन और उत्कृष्टता का प्रतीक है। यह दिन भारतीय जनता को हमारी समुद्री सीमाओं की रक्षा में नौसेना के योगदान और इसके गौरवशाली इतिहास की याद दिलाता है। पुरी में आयोजित होने वाले नौ सेना दिवस 2024 भव्य आयोजन से न केवल देश के नागरिकों को प्रेरणा मिलेगी, बल्कि यह हमारी समुद्री शक्ति और परंपराओं का उत्सव भी होगा। एजेंसीज से साभार

आईएनएस अरिहंत-अरिघात

हमारी समुद्री ताकत

आईएनएस अरिहंत

आईएनएस अरिहंत, भारत की पहली स्वदेशी रूप से निर्मित परमाणु ऊर्जा से चलने वाली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी है। यह भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल है. आईएनएस अरिहंत के बारे में कुछ खास बातें:-

आईएनएस अरिहंत को प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और उनकी पत्नी गुरशरण कौर ने 26 जुलाई, 2009 को जलावतरण किया था। यह पनडुब्बी विशाखापत्तनम के जहाज़ निर्माण केंद्र पर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी वेसल (ATV) प्रोजेक्ट के तहत तैयार की गई थी। आईएनएस अरिहंत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों में से किसी एक देश के अलावा किसी और देश ने नहीं बनाया है। आईएनएस अरिहंत से मिसाइलें लगभग 750 किलोमीटर की दूरी पर लक्ष्य को मार सकती हैं। आईएनएस अरिहंत के अलावा, आईएनएस अरिघात भी भारत की एक परमाणु पनडुब्बी है। यह देश के स्ट्रैटेजिक फ़ोर्सेज़ कमांड के तहत काम करती है।

आईएनएस अरिघाट को मिसाइलों से लैस किया गया है जो 3,500 किमी से अधिक की दूरी पर लक्ष्य मार सकते हैं, वहीं आईएनएस अरिहंत लगभग 750 किमी की दूरी पर लक्ष्य को मार सकती है। आईएनएस अरिंहत और आईएनएस अरिघात के बाद भारत अगले साल के शुरुआत में तीसरी न्यूक्लियर पनडुब्बी को कमीशन करने की तैयारी में है।

भारतीय नौसेना पोत (आई एन एस) अरिहंत (अरि= शत्रु हंत: मारना अर्थात् शत्रु को मारने वाला) परमाणु शक्ति चालित भारत की प्रथम पनडुब्बी है। इस 6000 टन के पोत का निर्माण उन्नत प्रौद्योगिकी पोत (ATV) परियोजना के अंतर्गत पोत निर्माण केंद्र विशाखापत्तनम में 2.9 अरब अमेरिका डॉलर की लागत से किया गया है। इसको बनाने के बाद भारत वह छठा देश बन गया जिनके पास इस तरह की पनडुब्बियां है। अरिहंत का प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और उनकी पत्नी गुरशरण कौर द्वारा 26 जुलाई 2009 को जलावतरण किया गया यह दिन इसलिए भी चुना गया क्योंकि यह कारगिल युद्ध में विजय की सालगिरह भी थी और इस दिन को कारगिल विजय दिवस या विजय दिवस) रूप में मनाया जाता है। भारतीय नौसेना के बेड़े में 2011 में शामिल होने से पहले अरिहंत को गहन बंदरगाह और समुद्री परीक्षणों से गुजरना पड़ा था।

आईएनएस विक्रमादित्य

आईएनएस विक्रमादित्य भारतीय नौसेना का एक विमान वाहक पोत है, जो रूसी नौसेना के एडमिरल गोर्शकोव के रूप में पहले सेवा में था। यह पोत 2014 में भारतीय नौसेना में शामिल हुआ था।

मुख्य विशेषताएं-

1. विस्थापन : 45,000 टन
2. लंबाई : 284 मीटर
3. चौड़ाई : 60 मीटर
4. गहराई : 10.2 मीटर
5. विमान : 30 विमान (मिग-29के, कामोव का-31, और वेस्टलैंड सी किंग)
6. चालक दल: 1,600 अधिकारी और कर्मचारी
7. इंजन : 8 गैस टरबाइन इंजन
8. गति : 30 नॉट (56 किमी/घंटा)

क्षमताएं-

1. विमान संचालन : आईएनएस विक्रमादित्य 30 विमानों को संचालित कर सकता है, जिनमें मिग-29के, कामोव का-31, और वेस्टलैंड सी किंग शामिल हैं।

2. हेलीकॉप्टर संचालन : यह पोत हेलीकॉप्टरों को भी संचालित कर सकता है।

3. नौसेना अभियान : आईएनएस विक्रमादित्य नौसेना अभियानों में भाग ले सकता है, जैसे कि समुद्री गश्त, जहाजों की सुरक्षा, और मानवीय सहायता।

4. प्रशिक्षण : यह पोत नौसेना अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए भी उपयोग किया जा सकता है।

इतिहास- आईएनएस विक्रमादित्य का निर्माण 1978 में शुरू हुआ था और यह 1987 में रूसी नौसेना में शामिल हुआ था। 2004 में, भारत ने इस पोत को खरीदने के लिए रूस के साथ एक समझौता किया। पोत का जीर्णोद्धार और आधुनिकीकरण 2008 से 2013 तक किया गया था। यह पोत 16 नवंबर 2013 को भारतीय नौसेना में शामिल हुआ था।

भारतीय नौसेना में मोदी सरकार ने किया बड़ा बदलाव

नरेंद्र मोदी सरकार ने भारतीय नौसेना के स्वरुप में बड़ा बदलाव किया है। नौसेना के ध्वज के बाद अब अधिकारियों के कंधों पर लगने वाले पटकों के स्वरुप में बदलाव किया गया है। अभी तक भारतीय नौसेना के अधिकारी अंग्रेजों के समय से चले आ रहे गुलामी के प्रतीकों को पहन रहे थे। लेकिन अब वह स्वराज का सपना देखने वाले शिवाजी महाराज की नौसेना से प्रेरित होकर बनाए गए एपोलेट्स को पहनेंगे। पिछले साल नौसेना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एडमिरल के कंधों पर नए डिजाइन के एपोलेट्स की घोषणा की थी। इसके बाद 29 दिसंबर 2023 को नौसेना ने इन नए पटकों की झलक दिखाई है। नौसेना ने बताया है कि इन्हें छत्रपति शिवाजी महाराज की नौसेना के एनसाइन और राजमुद्रा से प्रेरित होकर डिजाइन किया गया है। बता दें कि नौसेना पर पीएम मोदी ने कहा था कि अब हमें ब्रिटिश शासन के समय की चीजों और पहचान को खत्म करना है।

भारत में बनेंगी न्यूक्लियर सबमरीन, इस खास प्लान से होगी समंदर में चीन की घेराबंदी

इंडियन ओशन रीजन में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों और उसकी नौसेना की उपस्थिति को देखते हुए भारत ने अपनी सामरिक और नौसैनिक ताकत को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। भारत सरकार की कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी , जो प्रधानमंत्री के नेतृत्व में होती है, ने दो नई स्वदेशी परमाणु पनडुब्बियों के निर्माण की मंजूरी दे दी है। यह निर्णय भारतीय नौसेना की शक्ति और आक्रामक क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित होगा, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र और दक्षिण चीन सागर में भारत की सुरक्षा और प्रभाव मजबूत होगा।

समंदर में चीन की बढ़ती मौजूदगी - भारतीय नौसेना के इस नए कदम का महत्व तब और बढ़ जाता है जब हम इंडियन ओशन रीजन में चीन की लगातार बढ़ती उपस्थिति को देखते हैं। हर महीने इस क्षेत्र में लगभग 7-8 चीनी नौसैनिक युद्धपोत और 3-4 अर्धसैनिक जहाज देखे जा सकते हैं, जो भविष्य में और बढ़ सकते हैं। चीनी निगरानी जहाज जैसे "Xiang Yang Hong x" और बैलिस्टिक मिसाइल ट्रैकर "Yuan Wang |" पहले ही भारतीय समुद्री सीमाओं के करीब देखे गए हैं। यह संकेत है कि चीन इंडियन ओशन रीजन में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है, जिसे रोकने के लिए भारत ने अपनी परमाणु पनडुब्बी ताकत को प्राथमिकता दी है।

पनडुब्बियों के निर्माण से भारत की नौसैनिक क्षमता में वृद्धि- विशाखापट्टनम के शिप बिल्डिंग सेंटर में बनाई जाने वाली ये पनडुब्बियां 95त्न तक स्वदेशी होंगी और अरिहंत क्लास की पनडुब्बियों से अलग होंगी। इन्हें प्रोजेक्ट एडवांस्ड टेक्नोलॉजी वेसल के तहत विकसित किया जाएगा। ये पनडुब्बियां हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की सुरक्षा को और मजबूती देंगी। अभी फिलहाल दो पनडुब्बियों के निर्माण की अनुमति दी गई है, लेकिन भविष्य में चार और पनडुब्बियां बनाई जा सकती हैं।

न्यूक्लियर सबमरीन की जरूरत क्यों है ? - परमाणु शक्ति से चलने वाली स्ट्राइक सबमरीन लंबे समय तक पानी के अंदर रह सकती हैं, जिससे दुश्मन के हमलों से बचाव और गोपनीय ऑपरेशन करने में सहूलियत मिलती है। चीन के पास पहले से ही 6 शांग क्लास की न्यूक्लियर पनडुब्बियां हैं, जबकि भारत के लिए रूस से मिलने वाली अकुला क्लास की पनडुब्बी 2028 तक टल गई है। इस कारण भारत को अपनी रक्षा क्षमताओं में सुधार की जरूरत है। पारंपरिक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों की सीमाओं को देखते हुए, न्यूक्लियर पनडुब्बियां इस चुनौती का बेहतर समाधान प्रदान करती हैं।

साउथ कोरिया में लगी इमरजेंसी, राष्ट्रपति बोले कम्युनिस्ट ताकतों से देश की रक्षा जरूरी

सियोल (एजेंसी)।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल ने मंगलवार को देश के विपक्ष पर संसद को नियंत्रित करने, उत्तर कोरिया के साथ सहानुभूति रखने और राज्य विरोधी गतिविधियों के साथ सरकार को पैराडाइज बनाने का आरोप लगाते हुए आपातकालीन मार्शल लॉ की घोषणा की। राष्ट्रपति ने कहा कि कम्युनिस्ट ताकतों से देश की रक्षा जरूरी है। यूं ने एक टेलीविज़न ब्रीफिंग के दौरान यह घोषणा की।

उन्होंने देश की संवैधानिक व्यवस्था की रक्षा के लिए इस कदम को महत्वपूर्ण बताया। यह तुरंत स्पष्ट नहीं था कि इन कदमों का देश के शासन और लोकतंत्र पर क्या प्रभाव पड़ेगा। 2022 में पदभार ग्रहण करने के बाद से यूं विपक्ष द्वारा नियंत्रित संसद के खिलाफ अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए संघर्ष कर रहे थे।

राज्यसभा में तेल क्षेत्र संशोधन विधेयक पारित, हरदीप पुरी बोले-तेल क्षेत्र में निवेश को मिलेगी नई दिशा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्राकृतिक तेल एवं गैस उत्खन्न के क्षेत्र में निवेश बढ़ाने सहित इस क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों के समाधान के उद्देश्य से लाए गए तेल क्षेत्र (विनियमन एवं विकास) संशोधन विधेयक 2024 को मंगलवार को राज्यसभा ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। सदन में इस विधेयक पर हुई चर्चा का जबाव देते हुए केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि इस क्षेत्र में बड़े निवेश की जरूरत होती है। गहरे समुद्र में एक तेल का कुंआ बनाने पर 10 करोड़ डॉलर से अधिक का निवेश करना पड़ता है।

इसके साथ ही जो कंपनियां इतना बड़ा निवेश करेगी वह यहां खैरात के लिए नहीं करेगी। उसे भी अपने निवेश पर लाभ चाहिए होता है। इस सबको ध्यान में रखते हुये यह संशोधन लाया गया है। इसका मकसद इस क्षेत्र के लिए स्थिर कानून, विवाद निपटरा, एकल लीज आदि की वैधानिक व्यवस्था करना है। इससे किसी भी राज्य सरकार का अधिकार नहीं छीना जा रहा है क्योंकि तेल क्षेत्र के आवंटन और उस पर रॉयल्टी का अधिकार राज्यों के पास ही है।

देश में 72 दिनों के लिए अपात तेल भंडार

हरदीप पुरी ने कहा कि वर्ष 2006 में दुनिया की प्रमुख तेल कंपनियां भारत आई थी, लेकिन 2010 तक सबने देश को छोड़ दिया। अब फिर से सरकार दुनिया की पांच बड़ी तेल कंपनियों को देश में लाना चाह रही है और इसी को ध्यान में रखते हुए कानून में संशोधन किया गया है। उन्होंने चर्चा के दौरान सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों का जबाव देते हुए कहा कि देश में सात नहीं बल्कि 72 दिनों के लिए अपात तेल भंडार है। उन्होंने कहा कि फरवरी 2020 के बाद उत्पन्न वैश्विक स्थिति के कारण रूस से अधिक तेल खरीदा जा रहा है। तेल खरीदने का काम तेल विपणन कंपनियां करती है और इसके लिए टेंडर जारी किया जाता है। पहले खाड़ी देशों से तेल का अधिक आयात किया जाता था, लेकिन अभी इसमें कमी आई है।

ट्रंप की टैरिफ धमकी का भारत ने दिया संयमित और सशक्त जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत सहित ब्रिक्स को टैरिफ की धमकी को लेकर बहुत ही संयमित व सशक्त जवाब दिया है। ट्रंप ने ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) को चेतावनी दी है कि अगर वे अमेरिकी डॉलर को चुनौती देने के लिए अपनी नई मुद्रा शुरू करने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें 100प्रतिशत टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप की इस धमकी के जवाब में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सधी हुई प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने कहा, अलग-अलग देशों के ट्रंप प्रशासन से अलग अनुभव रहे हैं। लेकिन भारत के लिए, अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी समय के साथ और गहरी हुई है। हमारा सहयोग आर्थिक और तकनीकी क्षेत्रों में विश्वसनीय रहा है, और भविष्य में भी पारस्परिक लाभकारी रहेगा। जयशंकर ने ट्रंप की टिप्पणी पर कोई आक्रामक बयान न देकर भारत-अमेरिका के बढ़ते संबंधों को रेखांकित किया। उन्होंने भरोसा जताया कि आर्थिक क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग जारी रहेगा और यह साझेदारी वैश्विक स्थिरता के लिए लाभकारी साबित होगी। जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संबंधों की बुनियाद इतनी मजबूत है कि वे संभावित व्यापारिक चुनौतियों का भी समाधान निकाल सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच किसी भी सहयोग को संतुलित तरीके से संभाला जाएगा। बता दें कि एक दिन पहले ट्रंप ने सोशल मीडिया साइट ट्रूथ सोशल पर चेतावनी देते हुए कहा, अगर ब्रिक्स देश डॉलर को हटाकर अपनी मुद्रा बनाने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें 100 प्रतिशत टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। उन्हें अमेरिकी बाजारों तक पहुंच नहीं दी जाएगी। उन्होंने आगे कहा, ब्रिक्स को यह समझना होगा कि डॉलर को चुनौती देने का मतलब है अमेरिका को अलविदा कहना। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार किसी भी स्थिति में अमेरिकी डॉलर की जगह किसी अन्य मुद्रा को स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने ब्रिक्स को अमेरिका की सहिष्णुता की परीक्षा न लेने की सलाह दी।

संभल हिंसा के पीड़ितों से मिलेंगे राहुल गांधी

लखनऊ (एजेंसी)।

संभल में हुई हिंसा के बाद से राज्य की राजनीति और गरमा गई है। आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिसा तो जारी ही था। अब पीड़ित परिवारों से मिलने की कवायद में सभी राजनीतिक दल लगे हुए हैं। हालांकि, प्रदेश सरकार द्वारा अभी तक किसी भी राजनीतिक पार्टी के प्रतिनिधि मंडल को संभल जाने की अनुमति नहीं दी है। इन सब के बावजूद नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली सांसद राहुल गांधी बुधवार 4 दिसंबर सुबह संभल जाने के लिए तैयार हैं। अपने संभल दौरे के दौरान राहुल गांधी पीड़ितों से मुलाकात करेंगे। जिसकी जानकारी सांसद इमरान मसूद ने दी है।

राहुल गांधी को संभल में नहीं मिलेगी एंट्री

हालांकि, कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संभल दौरे को लेकर प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट हो गया है। मुरादाबाद कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने स्पष्ट किया है कि राहुल गांधी को संभल जिले में आने की अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि डीएम द्वारा लगाए गए प्रतिबंध अभी भी प्रभावी हैं, और उन्हें रोकने के लिए सभी कानूनी उपाय किए जाएंगे।

प्रियंका गांधी ने की पीड़ित परिवारों से बात

खबर यह भी है कि प्रियंका गांधी ने फोन के माध्यम से पीड़ित परिवारों सेबात की है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस महासचिव की बात फोन पर करवाई थी।

संसद में इंदिरा गांधी के नाम पर हुआ हंगामा संबित पात्रा ने किया पुराने केस का जिक्र

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संसद में शीतकालीन चर्चा जारी है। कल तक विपक्ष ने संसद के दोनों सदनों में खूब हंगामा मचाया था, लेकिन आज संसद में शत्र शांति के साथ शुरू हुआ। ऐसा इसलिए हो पाया क्योंकि कल संविधान पर चर्चा को लेकर सरकार और विपक्ष में सहमति बन गई थी। हालाकिं, इसके बाद आरोप लगना शुरू हो गए। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने बैंकिंग कानून संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान इंदिरा गांधी का नाम लेकर एक पुराने केस पर जिक्र करना शुरू कर दिया जिसके बाद विपक्ष ने विरोध करते हुए हंगामा कर दिया।

दरअसल, संबित पात्रा ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि वर्तमान समय में फोन बैंकिंग का दौर है, लेकिन इनका फोन बैंकिंग का तरीका ये था कि फोन उठाकर के इनके नेता बोलते थे कि लोन दे दो, बिना यह देखे कि वह लोन लौटेगा या नहीं। पात्रा ने इस संदर्भ में 1971 के नगरवाला केस का उदाहरण दिया, जिसमें इंदिरा गांधी के नाम पर एक बैंक शाखा को फोन कर 60 लाख रुपये देने का आदेश दिया गया था। संबित पात्रा ने कहा, आज फोन बैंकिंग का जमाना है। मगर इनका फोन बैंकिंग का तरीका ये था कि फोन उठाकर के इनके नेता बोलते थे कि लोन दे दो, वापस आएगा कि नहीं ये नहीं देखना है। फोन बैंकिंग का ये नतीजा है। उन्होंने 1971 का नगरवाला केस का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि किसी ने इंदिरा गांधी के नाम से फोन किया था और एक बैंक की ब्रांच को कहा था 60 लाख रुपये दे दो। बैंक से निकालकर पैसे नगरवाला को दे दिया गया। उन्होंने कहा कि इंदिरा जी का नाम तो नहीं है पर क्लीन चिट भी नहीं मिली। ये बैंकिंग सिस्टम का सबसे बड़ा घोटाला है। बाद में इंदिरा गांधी का नाम हटाने का आदेश दिया गया।

विपक्ष ने किया हंगामा

विपक्षी सदस्यां ने पॉइंट ऑफ ऑर्डर रेज करते हुए चेयरमैन के खिलाफ हाय-हाय के नारे लगाए। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष के इस व्यवहार की आलोचना करते हुए कहा कि इस प्रकार की टिप्पणियां नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने चेयर पर की गई इस टिप्पणी पर आपत्ति जताई और कहा कि यह अनुशासनहीनता है। इसी दौरान, स्पीकर ने इंदिरा गांधी को लेकर की गई टिप्पणी को रिकॉर्ड से हटाने की बात कही। स्पीकर ने यह भी कहा कि इस मुद्दे पर किसी भी टिप्पणी को तब तक रिकॉर्ड में नहीं डाला जाएगा जब तक अटल बिहारी वाजपेयी की ओर से की गई टिप्पणी की पुष्टि नहीं हो जाती। वहीं, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संबित पात्रा की स्पीच के एक हिस्से को हटाने की बात की, लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठाया कि क्या गौरव गोगोई के भाषण का वह हिस्सा भी हटेगा, जिसमें उन्होंने रूल 94 के दायरे से बाहर जाकर टिप्पणी की थी। बता दें कि लोकसभा में विदेश मंत्री एस जयशंकर की ओर से चीन मुद्दे पर बयान दिए जाने के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकिंग कानूनों में संशोधन से संबंधित बिल पेश किया। बैंकिंग कानूनों में 19 संशोधन किए जाने को लेकर ये बिल पेश किए गए हैं।

जो सोचा था वही हुआ: संन्यास लेने वाली बात से मुकरे विक्रांत मैसी, बोले- मैं वापस आऊंगा

मुंबई (एजेंसी)।

बॉलीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी ने सोमवार को अभिनय से ब्रेक लेने के अपने फैसले के बारे में पोस्ट कर फैंस को बड़ा झटका दे दिया था। हालांकि अब वह अपने बयान से पलट गए हैं। एक्टर ने अपने पोस्ट पर सफाई देते हुए कहा कि वो रिटायर नहीं हो रहे बस कुछ समय का ब्रेक ले रहे हैं। करियर के पीक पर विक्रांत का यह फैसला लोगों को हजम नहीं हो रहा था, ऐसे में दावे किए जा रहे थे कि यह सिर्फ पब्लिक स्टंट है। अब इस नए बयान ने लोगों की बात को सच साबित कर दिया।

मंगलवार को, विक्रांत ने एक आधिकारिक बयान जारी कर स्पष्ट किया कि लोगों ने उनकी पोस्ट का गलत मतलब निकाला। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि उनका इरादा एक्टिंग से संन्यास नहीं बल्कि कुछ समय के लिए ब्रेक लेना था। एक्टर ने अपनी सफाई में कहा- मैं अभिनय से ही सब कुछ कर सकता हूं। और इसने मुझे वह सब कुछ दिया है जो मेरे पास है। मेरा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हुआ है। मैं बस कुछ समय के लिए ब्रेक लेना चाहता हूं, अपने काम को बेहतर बनाना चाहता हूं। मेरी पोस्ट का गलत अर्थ निकाला गया है कि मैं अभिनय छोड़ रहा हूं या इससे संन्यास ले रहा हूं। मैं अपने परिवार और स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए कुछ समय के लिए ब्रेक लेना चाहता हूं। जब सही समय आएगा, मैं वापस आ जाऊंगा।

अपनी पिछली पोस्ट में, विक्रांत ने अपने प्रशंसकों और अनुयायियों से मिले अपार प्यार और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए लिखा था- पिछले कुछ साल और उसके बाद का समय अभूतपूर्व रहा है। मैं आप सभी को आपके अमिट समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। लेकिन जैसे-जैसे मैं आगे बढ़ रहा हूं, मुझे एहसास हो रहा है कि अब पुन:संतुलित होने और घर वापस जाने का समय आ गया है। एक पति, पिता और बेटे के तौर पर। और एक अभिनेता के तौर पर भी। तो 2025 में, हम आखिरी बार एक-दूसरे से मिलेंगे। जब तक समय सही न लगे। आखिरी 2 फिल्में और कई सालों की यादें। फिर से धन्यवाद। हर चीज के लिए और बीच में जो कुछ भी हुआ उसके लिए। हमेशा ऋणी रहूंगा, ।

विशेष रूप से, अभिनय से ब्रेक की घोषणा करने के कुछ घंटों बाद, विक्रांत ने सोमवार शाम को संसद के बालयोगी सभागार में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के अन्य सांसदों के साथ अपनी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की एक विशेष स्क्रीनिंग में भाग लिया। स्क्रीनिंग के बाद, विक्रांत ने मीडिया के साथ अपना अनुभव साझा करते हुए कहा- मैंने प्रधानमंत्री, सभी कैबिनेट मंत्रियों और कई सांसदों के साथ फिल्म देखी। मैं अभी भी इसे शब्दों में पूरी तरह से व्यक्त नहीं कर सकता क्योंकि मैं बहुत खुश हूं... यह मेरे करियर का सबसे ऊंचा मुकाम है, कि मुझे प्रधानमंत्री के साथ अपनी फिल्म देखने का मौका मिला।

जयशंकर बोले-भारत और चीन के रिश्तों में मामूली सुधार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को भारत-चीन सीमा विवाद पर संसद को जानकारी दी। विदेश मंत्री ने सदन में कहा कि भारत और चीन बातचीत और कूटनीति के जरिए सीमा विवाद सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। पूर्वी लद्दाख में पूरी तरह से डिसइंगेजमेंट हो चुका है। हालांकि LAC पर अभी भी कई इलाकों में विवाद है। भारत का मकसद ऐसा समाधान निकालना है, जो दोनों देशों को मंजूर हो। उन्होंने कहा, 2020 के बाद से भारत और चीन के रिश्ते सामान्य नहीं हैं। बॉर्डर पर शांति भंग हुई थी, तब से दोनों देशों के रिश्ते ठीक नहीं हैं।

चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की सुनवाई से सीजेआई हटे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त की नियुक्ति से जुड़े मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। मामले की सुनवाई 6 जनवरी से शुरू होगी और इसके लिए नई बेंच का गठन किया जाएगा। 2 मार्च 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया था, जिसमें कहा गया था कि CEC और EC की नियुक्ति तीन सदस्यीय पैनल की तरफ से की जाएगी। इसमें प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस शामिल होंगे। सुप्रीम कोर्ट की 5 सदस्यीय बेंच ने यह फैसला सुनाया था। इसमें सीजेआई संजीव खन्ना भी शामिल थे, तब वे सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस थे। हालांकि 21 दिसंबर 2023 को सरकार ने एक नया विधेयक पारित किया, जिसमें चीफ जस्टिस को पैनल से हटा दिया गया और उनकी जगह एक केंद्रीय मंत्री को शामिल किया गया। इसे प्रधानमंत्री चुनेंगे। केंद्र सरकार के इसी फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कांग्रेस कार्यकर्ता जया ठाकुर ने याचिका दायर की है। इस विवाद के बावजूद केंद्र ने ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू को चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त किया था।

गडकरी बोले-राजनीति अतृप्त आत्माओं का महासागर

नागपुर (एजेंसी)। रविवार को नागपुर में किताब '50 रूल्स ऑफ गोल्डन लाइफ' के लॉन्च के दौरान गडकरी ने यह बात कही। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि राजनीति अतृप्त आत्माओं का एक सागर है, जहां हर व्यक्ति उदास है और अपनी मौजूदा पोजिशन से ऊंची पोस्ट की उम्मीद लगाए बैठा है। रविवार को नागपुर में किताब '50 रूल्स ऑफ गोल्डन लाइफ' के लॉन्च के दौरान उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा कि जिंदगी समझौतों, मजबूरियों, सीमाओं और विरोधाभासों का खेल है। इंसान चाहे परिवार के बीच हो, समाज में हो, राजनीति में या कॉर्पोरेट जीवन में, जिंदगी चुनौतियों और परेशानियों से भरी रहती है। व्यक्ति को इनका सामना करने के लिए 'आर्ट ऑफ लिविंग' सीखना चाहिए।

हसीना बोलीं- मोहम्मद यूनुस अल्पसंख्यकों पर हमलों के जिम्मेदार:जनसंहार नहीं चाहती थी इसलिए देश छोड़ा, ढाका में भारतीय उच्चायुक्त तलब

ढाका (एजेंसी)।

ढाका यूनिवर्सिटी में छात्रों का भारत के खिलाफ प्रदर्शन

बांग्लादेश में सोमवार की रात ढाका यूनिवर्सिटी के कैंपस में सैकड़ों छात्रों ने भारत विरोधी नारे लगाए और विरोध प्रदर्शन किया। ये छात्र सोमवार को अगरतला में बांग्लादेश के असिस्टेंट हाई-कमीशन के कैंपस में तोड़फोड़ के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमले और उनकी हत्याओं का जिम्मेदार अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस को बताया है। न्यूयॉर्क के एक सेमिनार को वर्चुअली संबोधित करते हुए हसीना ने कहा-

बांग्लादेश में सामूहिक हत्याओं का जिम्मेदार मुझे बताया जा रहा है, लेकिन हकीकत में मोहम्मद यूनुस हैं जो छात्र नेताओं के साथ मिले हुए हैं और सामूहिक हत्याओं में शामिल हैं।

हसीना ने कहा, यूनुस सरकार के लोग ही सामूहिक हत्याओं के मास्टरमाइंड हैं। यहां तक कि लंदन से तारिक रहमान (खालिदा जिया के बेटे) ने भी कहा है कि अगर मौतें जारी रहीं, तो सरकार नहीं चलेगी। दूसरी तरफ बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को समन जारी किया है। दरअसल, सोमवार को अगरतला में बांग्लादेश मिशन पर हमला हुआ था, इस पर बांग्लादेश ने नाराजगी जताई थी। बांग्लादेश में देशद्रोह के आरोप में जेल में बंद धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण दास प्रभु के केस की पैरवी करने वाले वकील पर हमला हुआ है। यह दावा कोलकाता में इस्कॉन के प्रवक्ता राधारमण दास ने किया है। चिन्मय दास के वकील रमन रॉय पर क्रूर हमला हुआ है। वे द्वुष्ट में जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनकी एकमात्र गलती यह थी कि उन्होंने कोर्ट में चिन्मय प्रभु का बचाव किया। कट्टरपंथियों ने उनके घर में तोड़फोड़ की और उन पर बेरहमी से हमला किया। बांग्लादेश में इस्कॉन के एक प्रमुख पूर्व नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को पिछले महीने रंगपुर में हिंदू समुदाय के समर्थन में विरोध प्रदर्शन के बाद ढाका में गिरफ्तार किया गया था। उन पर देशद्रोह का आरोप लगाया गया है।

टीवी एक्ट्रेस श्रद्धा आर्या ने दिया ट्विन्स बच्चों को जन्म

मुंबई (एजेंसी)। टीवी एक्ट्रेस श्रद्धा आर्या ट्विन्स बच्चों की मां बनी हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर दी। एक पोस्ट शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा कि भगवान ने उन्हें और उनके पति को एक नहीं, बल्कि ट्विन्स बच्चों के माता-पिता बनाया है। श्रद्धा आर्या ने 29 नवंबर को ट्विन्स बच्चों को जन्म दिया है।

आम सूचना

मैं Indusind Bank T.P.Nagar Korba छ.ग. का होकर मैं Indusind Bank की ओर से आम सूचना करता हूँ कि मैने श्री चिरंजीव कुमार कैवर्त पिता रामनारायण कैवर्त निवासी नीचे पारा सोनगुढ़ा कोरबा छ.ग. वाहन क्रमांक सी.जी 12 बी बी 7496 जो टैक्टर है। जिसका मॉडल 2020 है। हमारे द्वारा पूर्व में सीज कर लिया गया था। इसका गाड़ी अब नाम ट्रांसफर जिला परिवहन कार्यालय में फॉर्म 36 के माध्यम से जिला परिवहन कार्यालय कोरबा में नाम ट्रांसफर हमारे नाम पर किया जा रहा है। Indusind Bank T.P.Nagar Korba जिला कोरबा छ.ग. जिसकी सूचना हमारे द्वारा इस आम सूचना के माध्यम से आम जनता को दे रहा हूँ इसमें चिरंजीव कुमार कैवर्त अथवा किसी को भी कोई आपत्ति हो तो वह दस्तावेजों के साथ जिला परिवहन कार्यालय में 07 दिवस के अंदर आकर अपनी आपत्ति दर्ज करा सकता है। इसके बाद उक्त वाहन का विधिवत् नामांतरण कराया जाएगा बाद में आने वाली कोई भी दावा-आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सूचनार्थ प्रकाशित
Indusind Bank T.P.Nagar Korba
जिला- कोरबा (छ.ग.)

समक्षः श्रीमान् पब्लिक नोटरी महोदय
पाली, जिला कोरबा (छ.ग.)

शपथ पत्र

मैं रामेश्वरी उम्र 26 वर्ष पिता/पति श्री दिलीप सिंह जाति गोंड़ निवासी ग्राम मादन तहसील पाली जिला कोरबा छ.ग. का/की निवासी हूं जो निम्न कथन शपथपूर्वक करता/करती हूं।

1. यह कि मैं उपरोक्त नाम व पते का/की निवासी हूं।
2. यह कि विवाह पूर्व मेरे नाम से भारतीय स्टेट बैंक / कियोस्क बैंक द्वारा जारी बैंक पासबुक खाता क्रमांक 33790034206 में मेरा नाम रामेश्वरी कुमारी ओरकेरा पत्ता ढुकुपथरा अंकित है।
3. यह कि विवाह पश्चात् संबंधित विभाग द्वारा मेरे नाम से जारी आधारकार्ड एवं मतदाता परिचय पत्र में मेरा नाम रामेश्वरी पति दिलीप सिंह पता मादन अंकित है।
4. यह कि उक्त दोनों नाम मेरे स्वयं का अर्थात् एक ही व्यक्ति का है जो कि सत्य व सही है।
5. यह कि संबंधित विभाग द्वारा मेरे नाम से जारी उक्त बैंक पासबुक में मेरा नाम सुधार कर रामेश्वरी कुमारी ओरकेरा पता ढुकुपथरा के स्थान पर रामेश्वरी पति दिलीप सिंह पता मादन परिवर्तित किया जावे।
6. यह कि मेरे द्वारा दी गई उपरोक्त जानकारी सत्य व सही है, असत्य पाये जाने पर उसकी सम्पूर्ण जवाबदारी मेरी स्वयं की होगी।
7. यह कि संबंधित विभाग में उपरोक्त कथन के समर्थन में मेरे द्वारा यह शपथ पत्र सादर निष्पादित है।

शपथकर्ती

// **सत्यापन** //

मैं शपथकर्ता / शपथकर्ती यह सत्यापित करता / करती हूं कि उपरोक्त शपथ पत्र की कंडिका 1 से 7 तक की कथन मेरी जानकारी के अनुसार सत्य व सही है। जिसे आज दिनांक 02/12/2024 को पढ़कर, समझकर अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित किया/की।

शपथकर्ती
रामेश्वरी

छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल पटना साहिब में मत्था टेका

दिव्य आकाश

भारतीय नौ सेना दिवस (04 दिसंबर) पर देश के जवानों का अभिनंदन... वंदन...

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 29 नवंबर से 12 दिसंबर 2024

सुविचार

बड़ों का आशीर्वाद और अपनों की शुभकामनाएं कभी खाली नहीं जाते।

बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा...सड़क पर उतरे लोग

जांजगीर-चांपा में सर्व हिंदू समाज का प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

जांजगीर-चांपा (दिव्य आकाश)।

जांजगीर-चांपा में सर्व हिन्दू समाज ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा को लेकर प्रदर्शन किया। रैली में लगभग 1000 से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया। इस दौरान संतो और विभिन्न समाज के प्रमुखों ने एक स्वर में बांग्लादेश में हो रहे अत्याचार को मानवाधिकारों का उल्लंघन करने वाला बताया।

साथ ही कहा कि यह हमारे साझा संस्कृति और धार्मिक मूल्य को भी आहत करने वाला है। प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति और राज्यपाल के नाम एसडीएम को 3 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। बता दें कि बीते दिनों बांग्लादेश के ढाका स्थित इस्कॉन मंदिर के चिन्मय कृष्ण दास सहित अन्य संतों को केवल उनके हिन्दू धर्म के होने की वजह से गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं एक हिन्दू दुकानदार पर हमला कर उसकी दुकान लूट ली गई। सिराजगंज में कट्टरपंथियों द्वारा लोकनाथ मंदिर पर पेट्रोल बम फेंका गया।

भाजपा विधायक दल की बैठक 4 को, शपथ ग्रहण 5 दिसंबर को

मुम्बई (एजेंसी)।

देवेंद्र फणनवीस मंगलवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मिलने उनके निवास स्थान पहुंचे और आधे घंटे तक बातचीत हुई। सूत्रों के मुताबिक बीजेपी विधायक दल की बैठक 4 दिसंबर को सुबह 10 बजे विधान भवन के सेंट्रल हॉल में होगी। इसमें सीएम का नाम तय होगा। 5 दिसंबर को शाम 5 बजे मुंबई के आजाद मैदान में शपथ समारोह होगा। भाजपा की ओर से देवेंद्र फडणवीस का सीएम बनना तय माना जा रहा है। महायुति यानी भाजपा, शिवसेना शिंदे और एनसीपी में एक सीएम और दो डिप्टी सीएम का फॉर्मूला तय किया गया है। महायुति की तीनों पार्टियों के नेता मंगलवार को आजाद मैदान में तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे। भाजपा नेता गिरीश महाजन ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह भव्य होगा।

छत्तीसगढ़ के धान खरीदी केन्द्रों में कांग्रेस का प्रदर्शन

भूपेश-बैज समेत सीनियर नेताओं ने सोसायटियों का लिया जायजा, बोले- बारदाने की कमी, किसान परेशान

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस मंगलवार सभी जिलों में सोसायटी चलो अभियान चलाया। कांग्रेस के तमाम बड़े नेता कार्यकर्ता अलग-अलग धान सोसायटी में पहुंचे। वहां क्या स्थिति है, इसकी जानकारी ली और प्रदर्शन भी किया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायपुर के खरोरा के धान खरीदी केंद्र और प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज बस्तर में जाकर निरीक्षण किया। धान खरीदी केंद्रों के निरीक्षण के बाद धनेंद्र साहू, सत्यनारायण शर्मा और विकास उपाध्याय ने कहा कि, धान खरीदी केंद्रों में टोकन नहीं कट रहा है। किसानों से सूखत के नाम पर अधिक धान लिया जा रहा है। धान खरीदी केंद्रों से एक बार भी उठाव नहीं किया गया है। राज्य सरकार किसानों से धान नहीं खरीदना चाहती। किसानों को काफी परेशानी हो रही है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि प्रदेश के कई धान खरीदी केंद्रों में खरीदी बंद हो चुकी है।

रायगढ़ में नालंदा परिसर भूमिपूजन: सीएम साय बोले-प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले बेटे-बेटियों के लिए यह बड़ा उपहार

रायगढ़ (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में मंगलवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 137 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से होने वाली कई विकास कार्यों को भूमिपूजन और लोकापर्ण किया। इसमें सबसे महत्वपूर्ण रायगढ़ में बनने वाला नालंदा परिसर है, जो 42 करोड़ 56 लाख रुपए की लागत से बनेगा।

सीएम साय ने कहा कि, मैं रायगढ़ आया हूं और ये तो मेरा घर परिवार है। रायगढ़ की जनता ने 20 साल तक सांसद के रूप में सेवा का अवसर दिया था। अब मुख्यमंत्री के रूप में सेवा दे रहा हूं। नलांदा परिसर बेटा-बेटी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करेंगे। उनके लिए यह बड़ा उपहार है। वहां स्टडी का उन्हें पूरा मटेरियल मिलेगा।

शिक्षा के विकास के लिए हो रहा प्रयास

छत्तीसगढ़ में शिक्षा के विकास के लिए ऐसा प्रयास हो रहा है। डॉ रमन सिंह की जब प्रदेश में सरकार थी, तब से रायपुर में नालंदा परिसर चल रहा है। नांलदा परिसर में 24 घंटे छात्र-छात्राएं अध्ययनरत मिलते हैं। उन्होंने बताया कि, जब प्रदेश के वित्तमंत्री ने नालंदा परिसर के बारे में बताए तो रायपुर में पूरा परिसर को देखा।

यह भी बताया गया कि, 3 हजार बच्चे अभी वेटिंग में हैं, तो रायपुर में एक और नालंदा परिसर बनाने कहा गया। रायगढ़ में जो नालंदा परिसर बनने वाला है, वो उद्योग के सीएसआर मद से निर्माण होगा। निश्चित रूप से रायगढ़ के बेटा बेटी के लिए यह बेहतर साबित होगा।

मोदी की गारंटी के वादे पूरे कर रहे

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि, प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही भाई-बहनों को चाबी सौंपा गया है। 18 लाख गरीब लोग पिछले सरकार में आवास के लिए वचिंत हो गए थे। ऐसे में जब प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी तो पहले कैबिनेट बैठक कर 18 लाख आवास की स्वीकृत दे दिए।

प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान भी खरीदी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी हमारे सरकार को एक साल हुए हैं और मोदी की गारंटी में जो वादा किए थे वो पूरा कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ का विकास तेज गति से हो रहा

डिप्टी सीएम अरूण साय ने कहा कि, छत्तीसगढ़ में चारो ओर विकास हो रहा है। सभी काम सांय-सांय हो रहे हैं। महतारी वंदन के पैसा महतारी वंदन के खाते में सायं-सायं जा रहे हैं।

महतारी वंदन की राशि खातों में ट्रांसफर

स्कूली बच्चों के द्वारा नालंदा परिसर के भूमिपूजन के वीडियो का विमोचन कराया गया। बच्चों ने बटन दबाकर वीडियो का विमोचन किया। इसके अलावा महतारी वंदन योजना की 10वीं किस्त मंगलवार को रायगढ़ से जारी की गई। छत्तीसगढ़ में पहली बार ऐसा हुआ कि हितग्राहियों के जो महतारी वंदन की राशि है, उन्हीं के हाथों बटन दबाकर राशि ट्रांसफर किया गया। ऐसे में जब महिलाओं ने बटन दबाया, तो प्रदेश की 69 लाख 74 हजार महिलाओं के खाते में 652 करोड़ 4 हजार रुपए की राशि खातों में ट्रांसफर हुआ।

धान सांय सांय बिक रहा है। गांव और शहर का विकास सांय-सांय हो रहा है। छत्तीसगढ़ का विकास तेज गति से हो रहा है।

अकेले रायगढ़ जिले में नगरीय निकाय के लिए 100 करोड़ रुपए स्वीकृति हुआ है। रायगढ़ में चारो ओर विकास का काम शुरू हो चुका है। यह तो अभी बोहनी है। रायगढ़ के तरक्की और रायगढ़ की दिशा बदलने में अब समय नहीं लगने वाला है।

रायगढ़ को लगातार तवज्जो दिया जा रहा

वित्तमंत्री और रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने कहा कि, जब से हमारी सरकार बनी है। सीएम के आर्शीवाद से लगातार रायगढ़ को तवज्जो दिया जा रहा है। रायगढ़ में प्रयास विद्यालय की स्थापना हुई। यहां 9वीं से 12वीं तक के बच्चे वहां पढ़ पाएंगे। आईआईटी, नीट की तैयारी, डॉक्टर बनना हो, सीए बनना है उसकी तैयारी कर पाएंगे।

प्रदेश में जब सरकार बनी और 2-3 दिन ही हुए थे। तब उन्होंने मुख्यमंत्री को रायपुर के नांलदा परिसर के बारे में बताया। जिसके बाद मुख्यमंत्री भी रायपुर के नालंदा परिसर पहुंचे और युवाओं से उन्होंने चर्चा भी की। इसके बाद नालांदा परिसर की तर्ज पर रायपुर में एक और लाइब्रेरी का निर्माण करने को कहा।

प्रदेश में 22 नांलदा परिसर

इसके एक महीने के बाद बजट का समय आया, तो मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश में 22 नांलदा परिसर का प्रावधान किया गया। रायगढ़ में जो नालंदा परिसर का निर्माण हो रहा है। पहले चरण में 27 करोड़ का काम होगा। इसमें राज्य सरकार का एक रुपए खर्चा नहीं कर रहे हैं। बल्कि एनटीपीसी के सीएसआर के माध्यम से वह काम कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नियत साफ हो तो अपने आप रुपए आता है। नियत खराब हो तो कहीं से रुपए नहीं आते है।

एनएसयूआई जिलाध्यक्ष मनमोहन गिरफ्तार

खदान बंद कराने का मामला: एसईसीएल- करोड़ों का नुकसान हुआ, संगठन ने बताया राजनीति से प्रेरित कार्रवाई

कोरबा/दीपका (दिव्य आकाश)।

कोरबा एसईसीएल दीपका विस्तार परियोजना में खदान बंद करवाने के मामले में पुलिस ने एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष मनमोहन राठौर को गिरफ्तार किया है। दीपका थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार 19 नवंबर 2024 को दीपका खदान में मनमोहन राठौर ने बिना पूर्व सूचना दिए बलपूर्वक कोयला उत्खनन का कार्य रुकवा दिया।

इस घटना के कारण एसईसीएल को करोड़ों के नुकसान का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा है कि हरदीबाजार में कॉलेज खदान से लगा हुआ है, जहां स्वश्रष्टरुद्वारा जमीन अधिग्रहित करने की बात सामने आई।

इसी मामले को लेकर एनएसयूआई जिलाध्यक्ष मनमोहन राठौर छात्रों के साथ खदान बंद कराने पहुंचा था।

एसईसीएल दीपका परियोजना के जीएम माइनिंग मनोज कुमार ने इस घटना की लिखित शिकायत थाने में दर्ज कराई थी। विवेचना के बाद 3 दिसंबर 2024 को आरोपी मनमोहन राठौर को

गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

आरोपी मनमोहन राठौर उम्र 24 दीपका क्षेत्र के उतरदा गांव का निवासी है। पुलिस ने प्राथमिक जांच में पाया कि खदान बंद कराने की घटना पूर्व नियोजित थी, जिससे सरकारी खजाने को भारी क्षति हुई। वहीं इस मामले को लेकर एनएसयूआई संगठन में नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यह राजनीति से प्रेरित कार्रवाई है। वहीं दीपका थाना प्रभारी प्रेमचंद साहू ने कहा कि एसईसीएल की लिखित शिकायत बाद गिरफ्तारी की गई है।

हेडमास्टर ने महिला बीईओ का गला दबाया.. पटक कर मारा

रायपुर (एजेंसी)। रायपुर के अभनपुर में एक हेडमास्टर का महिला बीईओ से मारपीट करने का वीडियो सामने आया है। ऑफिस के अंदर पहले दोनों के बीच किसी बात को लेकर बहस हुई, फिर एक-दूसरे के सामने फाइलें पटक दी। अचानक हाथापाई हुई। हेडमास्टर ने महिला अधिकारी को टेबल पर पटककर गला दबा दिया।

खड़े ट्रेलर में मिली ड्राइवर की लाश

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले के दीपका थाना क्षेत्र में ट्रेलर का ड्राइवर मृत अवस्था में मिला। मंगलवार की सुबह सुबह एक कार आगे बढ़ रही थी, इसी बीच एक ट्रेलर काफी देर तक रुकी हुई दिखी। चालक का सिर खिड़की पर टिका हुआ दिखा। सोए होने की आशंका में अन्य चालक उसे जगाकर ट्रेलर को आगे बढ़ाने कहने लगे। लगातार हॉर्न बजाने और चिल्लाने से वह नहीं उठा, अनहोनी की आशंका में कुछ लोग उसके पास गए, फिर भी वह नहीं उठा। पास जाकर देखा तो ड्राइवर की मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना पर दीपका पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। ट्रेलर (CG 12 BK 3127) मालिक से संपर्क किया जा रहा है। दीपका थाना प्रभारी प्रेम साहू ने बताया कि मृतक की पहचान विजय कुमार शुक्ला (35) सतना निवासी के रूप में की गई है। परिजनों को सूचना दे दी गई है, उनके आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। चालक की मौत कब, कैसे और किन परिस्थिति में हुई है यह जांच का विषय है।

माता-पिता की स्मृति में कॉलेज के लिए भूमि दान की लक्ष्मीचंद शर्मा परिवार ने

कोरबा/कटघोरा (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले के बांकीमोंगरा में नवीन महाविद्यालय के लिए कटघोरा निवासी लक्ष्मीचंद शर्मा एवं उनके परिवार ने भूमिदान कर समाज सेवा का एक नया उदाहरण पेश किया है। शासकीय नवीन महाविद्यालय की घोषणा सरकार ने की थी, लेकिन कॉलेज के लिए बांकीमोंगरा में भूमि का संकट खड़ा हो गया था, ऐसे में कटघोरा निवासी समाज सेवी लक्ष्मीचंद शर्मा को इसकी जानकारी होने पर उन्होंने परिवार की सहमति लेने के बाद सरकार को भूमिदान करने की घोषणा की। उच्च शिक्षा संचालनालय ने विधिवत रूप से जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी करने के बाद नवीन कॉलेज निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया है। प्राचार्य ने इस आशय की जानकारी आयुक्त उच्च शिक्षा संचालनालय रायपुर को प्रेषित की है और कॉलेज निर्माण की प्रक्रिया के लिए दिशा-निर्देश मांगा है। यहां यह बताना लाजिमी होगा कि लक्ष्मीचंद शर्मा ने अपने स्व. माता-पिता की स्मृति में बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए भूमिदान कर समाज में एक प्रेरणा दी है। समाज सेवा का यह बड़ा उदाहरण माना जा रहा है और जिले में इसकी प्रशंसा हो रही है।

ओवरटेक करने के चक्कर में हादसा, 3 घायल, दोनों गाड़ियों के उड़े परखच्चे

कार-बाइक के बीच टक्कर युवक की मौत

कोरबा/कटघोरा (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले के कटघोरा थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई वहीं दूसरा गंभीर रूप से घायल है। छुरी कोरबा-कटघोरा मार्ग पर मंगलवार को दोपहर करीब 1 बजे हादसा हुआ। कोरबा से कटघोरा की ओर जा रही कार और बाइक के बीच टक्कर हो गई।

पठारी भाठा हाई स्कूल के पास हुए हादसे में दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए हैं। हादसे के दौरान दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के संपर्क में आकर और भी दूसरे वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। कार चालक व सवार को भी चोट आई है। बताया जा रहा है कि ओवरटेक करने के चक्कर में यह घटना हुई है। जानकारी के

मुताबिक बाइक सवार मृतक महेश सिदार डबरा सक्ती जिले का रहने वाला था। वहीं पीछे बैठा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। जिसका इलाज अभी जारी है। वहीं कार पर सवार चालक बृजेश तिवारी और दूसरा साथी अखिलेश तिवारी बिलासपुर के रहने वाले हैं। फिलहाल, कटघोरा पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

घर से लापता 3 साल का मासूम चौपाटी में मिला

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा के कुआंभट्ठा क्षेत्र से लापता हुआ तीन साल का मासूम आर्या दास मानिकपुरी को पुलिस ने खोज निकाला। जांच में पता चला कि बालक क्षेत्र में ही रहने वाली एक महिला के साथ घंटाघर स्थित चौपाटी चला गया था। सीसीटीवी में तस्वीर सामने आने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और बच्चे को बरामद कर उनके परिजनों को सौंपा। कोरबा में मानिकपुर चौकी अंतर्गत कुंआभट्ठा बस्ती में रहने वाला मानिकपुरी परिवार उस वक्त सकते में आया जब उनका तीन वर्षीय बालक आर्या दास मानिकपुरी अचानक लापता हो गया। बच्चे के गुम होते ही परिजन परेशान हो गए। उन्होंने तत्काल पुलिस को मामले से अवगत कराया। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम हरकत में आई और उसकी तलाश शुरू कर दी। सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से बच्चे का सुराग मिला, जिसमें देखा गया कि बच्चा बालको क्षेत्र में ही रहने वाली एक महिला के साथ गया है। जांच में पता चला कि महिला घंटाघर स्थित चौपाटी में काम करती है। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची जहां महिला बच्चे को कुछ खिला रही थी। पुलिस ने बच्चे को बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर सड़क पर उतरे हिंदू संगठन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार को लेकर देश भर में विरोध प्रदर्शन हो रहा है। इसी कड़ी में विश्व सनातन संस्कृति रक्षा मंच कोरबा के माध्यम से सर्व समाज ने भी अपना विरोध जताया। बांग्लादेश में हो रहे हिंसा के खिलाफ सर्व समाज ने निहारिका के सुभाष चौक पर धरना प्रदर्शन कर कोसाबाड़ी तक आक्रोश रैली निकाली गया। तत्पश्चात जिला प्रशासन को महामहिम राष्ट्रपति के नाम सौंपा गया।

सर्व समाज के वक्ताओं ने कहा कि बांग्लादेश में सनातन संस्कृति से जुड़े हिन्दू, बौद्ध, जैन एवं सिख समाज पर किए जा रहे हमलों, धार्मिक स्थलों को तोड़े जाने के खिलाफ आक्रोश जताया व अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद करने का संदेश दिया।

विश्व सनातन संस्कृति रक्षा मंच ने कहा है कि बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है वह कट्टरपंथी सोच को बढ़ावा देता है और इसके व्यापक दुष्प्रभाव वैश्विक स्तर पर बढ़ सकते हैं। इसलिए विषय को अत्यंत गंभीरता से लेने और दोषियों को दंडित करने की आवश्यकता है। मंच पर मुख्य वक्ता साधवी गिरिजेश नंदनी, समाजिक कार्यकर्ता जुड़ावन सिंह ठाकुर, विश्व सनातन संस्कृति रक्षा मंच के संयोजक संदीप सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी समाज प्रमुख, हिंदूवादी संगठन, जिला भर से आए सैकड़ो धर्म प्रेमी उपस्थित रहे।

समय रहते ठोस कदम उठाने की मांग-साध्वी गिरिजेश नंदनी

मुख्यवक्ता साध्वी गिरिजेश नंदनी ने कहा कि बांग्लादेश में महिलाओं पर अमानवीय अत्याचार किया जा रहा है। अल्पसंख्यक समाज की संपत्तियों को लूटना, सरकारी नौकरी से जबरन निकाला जा रहा है। धर्मान्तरण कराने और धार्मिक स्थलों को तोड़ना अत्यंत चिंताजनक हैं। इस अत्याचार के बावजूद बांग्लादेश सरकार तथा अन्य एजेंसियां इसे रोकने की बजाय, मूकदर्शक बनी हुई हैं। समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में ये स्थिति और भी ज्यादा भयावह हो सकती है। इसलिए सर्व समाज ने बांग्लादेश में रह रहे लोगों की हक की लड़ाई लड़ने के लिए इकट्ठा होकर ज्ञापन सौंपा है।

सुविचार

अनुमान गलत हो सकते हैं, लेकिन अनुभव कभी गलत नहीं होते...।

राजनीति

डायरेक्ट चुनाव

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव के लिए भाजपा ने फिर पैटर्न बदल दिया है। तात्कालिन कांग्रेस सरकार ने सभी नगरीय निकायों में कांग्रेस का अध्यक्ष-महापौर बनाने के लिए अध्यक्ष, महापौर के चुनाव को इन डायरेक्ट कर दिया है और जहां कांग्रेस को बहुमत नहीं मिला, वहां भी तोड़ फोड़ कर कांग्रेस का अध्यक्ष और महापौर बना लिया। इस बार भाजपा की सरकार आने के बाद महापौर एवं अध्यक्षों का चुनाव को फिर से डायरेक्ट कर दिया और अब अध्यक्ष -महापौर को सीधे जनता चुनेगी, ना कि पार्षद चुनेंगे। इसके अलावा नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को एक साथ करने की भी तैयारी की जा रही है। नगरीय निकाय चुनाव में पैटर्न बदलने से इस बार जनता के साथ चुनाव लड़ने वाले भावी उम्मीदवार भी खुश नजर आ रहे हैं। डायरेक्ट चुनाव होने से महापौर और अध्यक्षों के लिए पार्षदों की खरीदी-बिक्री पर रोक लगेगी। साथ ही नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव एक साथ होने से सरकार एवं चुनाव आयोग का खर्च भी कम होगा।

संपादक

खुद से प्यार करें:चुनौतियां यूं ही पार हो जाएंगी...

जीवन आज इतना व्यस्त हो गया है कि लोगों के पास अपने लोगों के लिए समय तक नहीं मिल पाता। यहां तक की स्वयं के लिए भी लोग समय नहीं निकाल पाते? यह विडंबना नहीं तो और क्या है? आज समय चुनौतियों से भरा हुआ है। जनसंख्या बढ़ने के साथ शासकीय नौकरी या रोजगार का टोटा पड़ते जा रहा है। युवा वर्ग सरकार से उम्मीद लगाकर विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं में भाग्य आजमाते हैं, लेकिन कुछ युवा इसमें सफल हो पाते हैं। कुछ सफल नहीं हो पाते और अवसाद में आकर कई आत्मघाती कदम उठाने पर मजबूर हो जाते हैं। मैं युवाओं से आह्वान करना चाहता हूं कि इस मजबूरी को यहीं स्टाप करें और स्वयं से प्यार करना सीखें। जिंदगी में कई मजबूरियां भी आएंगी, कई बड़ी चुनौतियां भी आएंगी, असफलताएं भी आएंगी,लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हमारी जिंदगी यहीं रूक जाएंगी। जिंदगी हमेशा चलने और समय के साथ बढ़ने का नाम है। अवसाद को मन में घर करने ना दें और स्वयं से प्यार करें। जब आप स्वयं से प्यार करना सीख जाएंगे तो असफलताओं से भी आप कुछ सीख कर नए जज्बे के साथ कड़ी मेहनत कर सफलताओं को पा सकते हैं।

जीवन के रास्तों में जब आप कैरियर बनाने के लिए आगे निकलते हैं तो रास्ते में बड़ी चट्टानें भी आएंगी। कमजोर युवा चट्टान को देखकर रास्ता बदल लेता है, लेकिन जिसका हौसला बुलंद होता है, वह इस चट्टान को सीढ़ी बनाकर पहाड़ पर चढ़ जाता है। सोचने-सोचने का फर्क है। आप भी इस चट्टान को सीढ़ी बनाकर पहाड़ चढ़ने की जुगत बनाएं, ना कि चट्टान से डरकर रास्ता मोड़ लें।

सकारात्मक सोच के साथ अपने कैरियर को आगे बढ़ाएं और यदि सफलता नहीं मिलती है तो रास्ता अवश्य बदलें, लेकिन अपना लक्ष्य कभी ना बदलें। बार-बार असफल व्यक्ति भी आज बुलंदियों को छू रहे हैं,ऐसे महान व्यक्तियों की जीवनी पढ़ें और उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें।

जीवन रूकने का नाम नहीं है, अपना जज्बा बरकरार रखें और लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ते रहें। कठिन मेहनत और जज्बे के साथ आगे बढ़ने पर एक दिन ऐसा समय आएगा, जब आप समाज में नई पहचान बनकर उभरेंगे। कुछ दिन पूर्व सीजी पीएससी, यूपीएससी के रिजल्ट घोषित किये गए, जिसमें आप ने देखा कि किस तरह एक मध्यम और गरीब परिवार के बच्चे पास होकर समाज में अपनी नई पहचान कायम की। कई सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे बार-बार असफल होने के बाद भी अपनी मेहनत जारी रखी और प्रदेश के कई गरीब बच्चे भी उपनिरीक्षक पद पर सलेक्ट हुए। यह बच्चे अमीर नहीं बल्कि उन गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चे थे, जिनका लक्ष्य निश्चित था और वर्दी पहनकर देश और समाज की सेवा का संकल्प लेकर आगे बढ़े और उन्होंने सफलता अर्जित की।

मैं आपसे आह्वान करना चाहता हूं कि सफलता - असफलता कैरियर के दो पहलू हो सकते हैं। असफलता में भी सफलता का राज छुपा होता है। असफल होने पर घबराएं नहीं, ना ही अवसाद पर जावें बल्कि असफलता को अपना हथियार बनाकर कमियों को दूर कर फिर से नई ऊर्जा के साथ लक्ष्य प्राप्ति में लग जाएं। बार-बार ठोकर खाने के बाद बच्चा दौड़ने लगता है, आप इस अपने ही बालपन की यादों से सीख लें और ठोकर खाने के बाद भी उठने का प्रयास करें। वह दिन दूर नहीं होगा जब आप कैरियर के स्वर्णिम दौर से गुजरने लगेंगे।

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

शहरों को जल सुरक्षा देने के लिए अमृत 2.0

शहरों को आत्मनिर्भर बनाने और जल सुरक्षा देने के लिए अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (अमृत) 2.0 योजना के तहत परियोजनाओं के लिए 66,750 करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता आवंटित की गई है। यह जानकारी हाल ही में संसद को दी गई। आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री तोखन साहू ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्यसभा को बताया कि इसमें से 63,976.77 करोड़ रुपए पहले ही राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को स्वीकृत किए जा चुके हैं और अब तक 11,756.13 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं।

राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने केंद्रीय हिस्से के 6,539.45 करोड़ रुपए के उपयोग की सूचना दी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुल मिलाकर, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा रिपोर्ट किया गया कुल व्यय 17,089 करोड़ रुपए है और 23,016.30 करोड़ रुपए के कार्य फिजिकली पूरे हो चुके हैं।

अमृत 2.0 के लिए कुल इंडीकेटिव आउटले 2,99,000 करोड़ रुपए है, जिसमें पांच वर्षों के लिए 76,760 करोड़ रुपए की कुल केंद्रीय सहायता शामिल है।

अमृत योजना को 25 जून 2015 को देश भर के चुनिंदा 500 शहरों और कस्बों में लांच किया गया था। अमृत 2.0 योजना 1 अक्टूबर, 2021 को शुरू की गई थी।

इसका उद्देश्य 500 अमृत शहरों में सीवरेज और सेप्टेज मैनेजमेंट की यूनिवर्सल कवरेज प्रदान करना है।

इसके अलावा, इस योजना के दूसरे मिशन में जल निकायों का पुनरुद्धार, हरित स्थानों और पार्कों का विकास और जल के क्षेत्र में लेटेस्ट टेक्नोलॉजी का लाभ उठाने के लिए टेक्नोलॉजी सब-मिशन शामिल है। अमृत 2.0 पोर्टल पर राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 15 नवंबर, 2024 तक 1,15,872.91 करोड़ रुपए की 5,886 परियोजनाओं के लिए टेंडर जारी किए गए हैं, जिनमें से 85,114.01 करोड़ रुपए की 4,916 परियोजनाओं के लिए कॉन्ट्रैक्ट दिए जा चुके हैं। एजेंसी।

ढीली-ढाली जैकेट-पैंट छोड़ सूट पहन पंजाबी बहुरानी बनीं कैटरीना कैफ, एयरपोर्ट पर विक्की की बीवी का दिखा खूबसूरत अंदाज, एजेंसी।

दिसंबर में घूम आएं मनाली के पास मौजूद ये 3 जगहें, सर्दियों में बन जाती हैं स्वर्ग

सर्दियों में मनाली घूमने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। क्योंकि यहां पर एडवेंचर, बर्फबारी और प्राकृतिक सुंदरता देखने को मिलती है। एक ही महीने में आपको यहां पर कई चीजों का नजारा देखने को मिल जाता है। हिमालय की गोद में बसे इस खूबसूरत हिल स्टेशन पर आपको दिसंबर के महीने में बहुत भीड़ देखने को मिलेगी। ठंड के मौसम में बर्फ से ढके पहाड़ों का नजारा देखने वाला होता है। यहां पर देवदार के जंगल, सफेद चादर से ढकी घाटियां और बर्फ से ढके पहाड़ इस जगह को सर्दियों में स्वर्ग बना देती है।

ऐसे में अगर आप भी दिसंबर महीने में मनाली घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको बर्फबारी का सही समय पता होना बेहद जरूरी है। क्योंकि मनाली के पास कई जगहों पर दिसंबर महीने में बर्फबारी नहीं होती है। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मनाली की उन् खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर दिसंबर महीने में अच्छी-खासी बर्फबारी होती है।

स्पीति घाटी

बता दें कि मनाली के पास स्थिति स्पीति घाटी को दिसंबर महीने में बर्फबारी के लिए बेहद खास माना जाता है। यहां पर दिसंबर महीने में आपको यहां पर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ बर्फ से ढके हुए नजर आएंगे। समुद्र तल से करीब 12,500 फीट की ऊंचाई पर स्थिति इस जगह पर आप स्नोफॉल का सुंदर नजारा देख सकते हैं। यहां पर एक कामिक नाम का गांव है, जो हिमालय की सबसे ऊंचाई र बसा गांव है। इसकी ऊंचाई करीब 4,513 मीटर है। अगर आप भी दिसंबर महीने में स्नोफॉल देखना चाहते हैं, तो आपको दिसंबर महीने में यहां पर आना चाहिए। यह मनाली की सबसे अच्छी जगहों में से एक है।

किन्नौर

दिसंबर के महीने में बर्फ का सुंदर नजारा देखने के लिए आपको दिसंबर महीने में किन्नौर जा सकते हैं। कभी-कभी बर्फ से ढकी चोटियां आपको उड़ते पहाड़ों की तरह अहसास करवाएगी। किन्नौर में एक बेहद खूबसूरत जगह है, जिसका नाम सांगला वैली है। अगर आप भी यहां जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको इस वैली का नजारा जरूर देखना चाहिए। दिसंबर का समय यहां पर बर्फ देखने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। मनाली में घूमने के लिहाज से कई अच्छी जगहें हैं।

चंबा

अधिक ऊंचाई पर स्थिति होने के कारण आपको यहां पर ज्यादा भीड़ देखने को नहीं मिलेगी। इसलिए आपको ज्यादा फायदा होगा। चंबा की सबसे अच्छी बात यह है कि दिसंबर और जनवरी के महीने में आपको यहां अपने चारों ओर बर्फ की सफेद चादर नजर आएगी। ऐसे में जो लोग मनाली के आसपास सिर्फ बर्फ का नजारा देखने के लिए घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आप चंबा जा सकते हैं।

एजेंसी।

दुबई से लौटी ऐश्वर्या- पति अभिषेक की कार से घर को हुईं रवाना,लोगों को खली आराध्या की कमी

रश्मिका मंदाना की साड़ी में खूबसूरत अदाएं

सबसे पहले
लाइफ इंश्योरेंस

जीवन के साथ भी
जीवन के बाद भी...

एलआईसी का
जीवन उत्सव

उत्सव
मनाने का
गारंटीड तरीका

Plan No.: 871 UIN: 512N363V01

आजीवन गारंटीड रिटर्न
के साथ

ऑनलाइन भी उपलब्ध

पूर्ण आयु जीवन बीमा एवं लाभ भुगतान के विकल्प

- सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि 5 से 16 वर्ष
- प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान गारंटीकृत वृद्धि
- नियमित आय लाभ / फ्लेक्सी आय लाभ
- न्यूनतम मूल बीमा राशि 5 लाख

एक नॉन-लिंक्ड, नॉन-पार्टिसिपेटिंग, व्यक्तिगत, बचत, पूर्ण आयु जीवन बीमा योजना

एलआईसी है तो कहीं
और क्यों जाना...

सभी नई पॉलिसियों की अधिक जानकारी के लिए आज ही संपर्क करें-

सालिक राम राजवाड़े
(बीमा अभिकर्ता)
वेदांत बीमा सेवा केंद्र
कार्यालय : प्रेस क्लब तिलक भवन के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
निवास : सत्यनारायण मंदिर के पास, पोड़ी बहार कोरबा, मो.नं.-90987-52955

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हर पल आपके साथ

बालको अस्पताल ने बीएमसी के सहयोग से लगाया नि:शुल्क कैंसर जांच शिविर

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

बालको अस्पताल ने बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) के सहयोग से समुदाय के लिए नि:शुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया। कैंसर विशेषज्ञ के नेतृत्व में विभिन्न सत्रों का आयोजन तथा ओपीडी एवं मोबाइल कैंसर जांच वैन के माध्यम से स्क्रीनिंग की गई। इस अभियान के माध्यम से समुदाय में कैंसर संबंधित बीमारी के शीघ्र पहचान के बारे में जागरूकता बढ़ाई गई। कैंसर शिविर में 140 से अधिक समुदाय के सदस्यों एवं बालको कर्मचारियों ने परामर्श लिया। इन्हीं में से 33 लोगों की वैन की मदद से स्क्रीनिंग की गई।

तीन दिवसीय कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर में विभिन्न प्रकार के कैंसर स्तन, गर्भाशय सर्वाइकल, सिर एवं गर्दन के कैंसर की जांच तथा विशेषज्ञ परामर्श दी गई। मोबाइल कैंसर वैन में मैमोग्राफी, पैप स्मीयर टेस्ट, ब्रश साइटोलॉजी, एफएनएसी, वीआईए परीक्षण की सेवाएँ प्रदान करती है। जरूरत पड़ने पर मरीज को बालको मेडिकल सेंटर में रेफर करने की सुविधा दी गई। इसके साथ ही बीएमसी ने पिछले महीने स्तन कैंसर जागरुकता माह के दौरान **शर्म छोड़ो, गाँठों पर बोलो...** थीम पर व्यापक अभियान चलाया। जिसका लक्ष्य स्तन कैंसर का शीघ्र पता लगाना तथा इस बीमारी से जुड़े कलंक को हटाना। बीएमसी का उद्देश्य लोगों को कैंसर रोग के प्रति जागरूक तथा इसकी रोकथाम व जांच हेतु विभिन्न उपायों को प्रोत्साहन देना है। इस शिविर में लोगों ने चिकित्सा परामर्श लिया और बालको अस्पताल तथा बालको मेडिकल सेंटर प्रबंधन को धन्यवाद दिया।

बालको ने विश्व गुणवत्ता सप्ताह पर चलाया जागरूकता अभियान

संयंत्र में गुणवत्ता के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करना हमारा लक्ष्य- सीईओ राजेश कुमार

बालको द्वारा आयोजित विश्व गुणवत्ता सप्ताह के दौरान आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि संयंत्र में गुणवत्ता के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करना हमारा लक्ष्य है। गुणवत्ता के महत्व पर बात करते हुए बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि गुणवत्ता हमारी सफलता की आधारशिला है। इस वर्ष की थीम के अनुरूप संयंत्र में गुणवत्ता के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करना, हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। गुणवत्ता जागरूकता को बढ़ावा देने और सक्रिय भागीदारी को निभाति हुए, हमारा लक्ष्य गुणवत्ता को एक मानक से आगे बढ़ाकर उसे कार्य संस्कृति हिस्सा बनाना है।

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने विश्व गुणवत्ता पर साप्ताहिक उत्सव मनाया। इस वर्ष की थीम 'फ्रॉम कंप्लायंस टू परफॉर्मेंस' पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जिसका उद्देश्य गुणवत्ता सिद्धांतों की समझ बढ़ाना था। 500 से अधिक कर्मचारियों और व्यावसायिक भागीदारों को शामिल कर गुणवत्ता उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा दिया गया जो सिर्फ अनुपालन तक सीमित नहीं है।

सप्ताह भर चलने वाले इस जागरूकता उत्सव में सभी लीडर ने बातचीत कर गुणवत्ता के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही साप्ताहिक कार्यक्रम के दौरान गुणवत्ता-थीम क्विज़, डिजिटल पोस्टर, स्लोगन लेखन, प्रतियोगिताएं शामिल थे। बालको ने कर्मचारियों को प्रचालन में गुणवत्ता के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए 'आइडिया जेनरेशन' तथा चाय पर चर्चा के रोचक संस्करण के माध्यम से कंपनी अपने कर्मचारियों को गुणवत्ता प्रथाओं पर चर्चा करने के

लिए प्रोत्साहित किया। इस जागरूकता अभियान में सभी विचारों और नवाचारों को आमंत्रित किया गया। प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के महत्व पर अपनी बात रखते हुए स्मेल्टर में प्रोसेस टेक्निशियन के तौर पर कार्यरत नारायण गुप्ता ने कहा कि गुणवत्ता हमारे प्रचालन के प्रत्येक प्रक्रिया की कुंजी है जो सुनिश्चित करती है हमारा उत्पाद की सबसे बेहतर हो। विश्व गुणवत्ता सप्ताह में आइडिया जनरेशन प्रतियोगिता में भाग लेने से मुझे अपने दैनिक अनुभवों से व्यावहारिक समाधान साझा करने में मदद मिली। एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो महत्वपूर्ण संयंत्र प्रक्रियाओं के रखरखाव से संबंधित है। हम जो भी छोटे-छोटे कदम उठाते हैं वह गुणवत्ता की संस्कृति को सुदृढ़ बनाने में योगदान देता है।

बालको अपने उत्पाद के लिए उत्कृष्ट गुणवत्ता मूल्यांकन और बेंचमार्किंग का उपयोग करता है। साथ की कंपनी को रोल्ड उत्पाद, वायर रॉड और प्राइमरी इनगॉट सहित सात प्रमुख उत्पादों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) से सर्टिफिकेट भी प्राप्त है। बीआईएस सर्टिफिकेट के अलावा बालको प्राथमिक एल्यूमिनियम और मिश्र धातुओं के उत्पादन और आपूर्ति के लिए आईएसओ 9001:2015 (गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली) सहित वैश्विक मानकों का पालन करता है। इसके साथ ही इन-हाउस पोरस डिस्क फ़िल्ट्रेशन उपकरण सुविधा, उत्पाद की शुद्धता और विश्वसनीयता को बढ़ाती है जो कंपनी की उत्कृष्टता पर ध्यान केंद्रित करने का उदाहरण है।

पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल पटना साहिब पहुंचे, की अरदास, मत्था टेक कर की प्रदेश की खुशहाली की कामना

कोरबा (दिव्य आकाश)। छत्तीसगढ़ के पूर्व केबिनेट मंत्री जयसिंह अग्रवाल एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने इन दिनों पटना (बिहार) प्रवास पर हैं। वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने से पूर्व आज तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में पहुंच कर मत्था टेका और अरदास की। उन्होंने मत्था टेक कर छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश की खुशहाली एवं अमन चैन तथा सद्भाव के लिए प्रार्थना की। तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब कमेटी के सदस्यों ने श्री अग्रवाल को गुरूद्वारा का भ्रमण कराया और आवश्यक जानकारी भी दी। यहां रोजाना हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं और मेला जैसा माहौल देख कर श्री अग्रवाल काफी रोमांचित हुए। उन्होंने यहां कमेटी की बेहतर व्यवस्था देख कर और श्रद्धालुओं की आवभगत से काफी प्रसन्नचित नजर आ रहे थे। यहां उन्होंने भंडारे में प्रसाद भी ग्रहण किया। श्री अग्रवाल के साथ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव बी एन सिंह एवं विपीन यादव भी साथ में थे।

स्व. रमेशचंद्र अग्रवाल की जयंती पर रक्तदान शिविर : अखबार वितरक संघ के सदस्यों ने भी किया रक्तदान

कोरबा (दिव्य आकाश)।

30 नवंबर को दैनिक भास्कर समूह के संस्थापक स्व. रमेशचंद्र अग्रवाल की 80 वीं जयंती के अवसर पर देश के कई हिस्सों में प्रेरणा उत्सव मनाया गया और रक्तदान शिविर का आयोजन बड़े स्तर पर किया गया। कोरबा जिले में भी दैनिकभास्कर समूह द्वारा स्व. बिसाहू दास महंत स्मृति चिकित्सालय महाविद्यालय संबंध इंदिरा गांधी चिकित्सालय (जिला अस्पताल कोरबा) के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें प्रेस जगत से जुड़े सदस्यों सहित आमनागरिकों ने बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिति दी और लोगों का जीवन बचाने की प्रेरणा लेकर रक्तदान किया। छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ के सदस्यों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और रक्तदान किया। अखबार वितरक संघ कोरबा इकाई के जिलाध्यक्ष विपेंद्र कुमार साहू ने बताया कि भास्कर समूह की यह पहल वाकई में प्रेरणाउत्सव रहा और स्व. रमेशचंद्र अग्रवाल ने दैनिक भास्कर अखबार के माध्यम से पूरे देश में जनजागृति लाने के साथ रचनात्मक कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए काम किया। उनका पूरा जीवन ही एक प्रेरणा उत्सव है।

बालको सुरक्षा संकल्प के 3 वर्ष पूरे सुरक्षा संस्कृति को मिली मजबूती

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपनी मासिक सुरक्षा पहल सुरक्षा संकल्प के तीन साल पूरा कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस कार्यक्रम में कर्मचारियों और व्यावसायिक साझेदारों दोनों की भागीदारी शामिल है, जिसने संयंत्र में सुरक्षा प्रोटोकॉल को मजबूत करने और सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। परिणामस्वरूप संयंत्र परिसर के भीतर सुरक्षा मानकों में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है।

दिसंबर 2021 से आरंभ सुरक्षा संकल्प कार्यक्रम का उद्देश्य कोचिंग, कॉउंसिलिंग, मॉनिटरिंग और त्वरित प्रतिक्रिया प्रदान करने में निहित सुरक्षा संस्कृति का पोषण करना है। प्रत्येक महीने के पहले दिन आयोजित होने वाले व्यापक प्रशिक्षण सत्रों ने कर्मचारियों को कार्यस्थल पर रचनात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित करते हुए सुरक्षा-प्रथम व्यवहार को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लगातार तीसरने वर्ष में आयोजित 36वें प्रशिक्षण में 1500 से अधिक कर्मचारियों और व्यावसायिक साझेदारों ने हिस्सा लिया। सभी इस पहल के माध्यम से सुरक्षा मानकों को बेहतर बनाने की दिशा में तीन वर्षों के समर्पित प्रयासों का जश्न मना रहे थे।

सुरक्षा संकल्प कार्यक्रम अपने संचालन के सभी क्षेत्रों में सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन की गई विभिन्न प्रकार की थीम को शामिल करता है। कंपनी सुरक्षा प्रोटोकॉल के बारे में शिक्षित करने के साथ विभिन्न टीमों के भीतर सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए

कर्मचारियों को पुरस्कृत कर उन्हें प्रोत्साहित किया है। पुरस्कृत व्यक्ति अपने विभागों के भीतर सुरक्षा जागरूकता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता दिखाई है और दूसरों को कार्यस्थल में सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया है।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि कंपनी में हम जीरो हार्म के अपने दृष्टिकोण का पालन पूरी प्रतिबद्धता के साथ करते हैं। सुरक्षा संकल्प' एक मजबूत सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देने में सहायक रहा है जो हमारे कर्मचारियों और व्यावसायिक साझेदारों की भलाई को प्राथमिकता देने के साथ एक सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करता है। हम अपने सुरक्षा मानकों को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों को अपना रहे हैं। इस पहल की निरंतरता और लगातार सुदृढ़ीकरण से सुरक्षा मानसिकता को विकसित करने तथा सुरक्षा व्यवहार में परिवर्तन लाने में सहायक साबित हुआ।

मजबूत सुरक्षा संस्कृति का निर्माण करने के लिए कंपनी कई अत्याधुनिक तकनीकों को शामिल किया है। जैसे- ऑगमेंटेड एंड वर्चुअल रिएलिटी आधारित प्रशिक्षण केंद्र, वीडियो एनालिटिक्स, सस्टेनेबेलिटी मोबाइल ऐप और ई-लर्निंग पाठ्यक्रम जैसे डिजिटलीकरण के माध्यम से कर्मचारियों को सुरक्षा संस्कृति से जोड़ा गया है। सुरक्षा क्षेत्र में बालको अत्याधुनिक सेंट्रलाइज्ड सिक्योरिटी ऑपरेशंस सेंटर की मदद से यातायात एवं सड़क सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला सहित विभिन्न सुरक्षा कार्यों में बेहतर निर्णय लेने के लिए डिजिटल इंटेलिजेंस और डेटा अंतर्दृष्टि का लाभ उठा रहा है। रियल टाइम डेटा की निगरानी, कोयला यार्ड में हॉट स्पॉट डिटेक्शन सिस्टम जैसी परियोजनाओं सहित एंड-टू-एंड डिजिटल डैशबोर्ड की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए थर्मल निरीक्षण का उपयोग करना शामिल है। शॉप फ्लोर में भारी वाहनों के सुरक्षित आवागमन को सुनिश्चित करने के लिए एलईडी लोगो प्रोजेक्टर का प्रयोग हो रहा है। टी-पल्स निगरानी प्रणाली जो एआई मॉडल का उपयोग करके कैमरा नेटवर्क के माध्यम से रियल टाईम में संयंत्र के अंदर चल रहे कार्यों की निगरानी करता है। सड़क सुरक्षा को बढ़ाने के लिए आंतरिक वाहन संचालन में अत्याधुनिक एआई तकनीक एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) और ड्राइवर मॉनिटरिंग सिस्टम (डीएमएस) को लागू किया गया है।

जॉयना ने दी ब्रेस्ट कैंसर को मात

उम्मीद की किरण बनी मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना

कोरबा (दिव्य आकाश)।

आज से करीब 14 माह पहले जब मुझे पता चला कि मुझे असाध्य बीमारी कैंसर है, तो ऐसा लगा कि मानो मेरे पैरों के नीचे से जमीन ही खिसक गई हो। फिर कैंसर से जिंदगी की जद्दोजहद शुरू हो गई। इस बड़ी बीमारी से लड़ने के लिए साहस तो मेरे पास था, लेकिन पैसों की कमी मेरे इलाज की राह में रोड़ा बन रहा था। ऐसी विकट परिस्थिति में मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से मिला लाभ मेरे और मेरे परिवार के लिए अंधेरे में उम्मीद की किरण बन कर आई है। इससे मेरा बेहतर इलाज हो पाया और आज मैं पूरी तरह स्वस्थ जीवन व्यतीत कर रही हूं। यह कहना है ब्रेस्ट कैंसर जैसे गंभीर बीमारी को मात देने वाली 46 वर्षीय श्रीमती जॉयना मसीह का।

कोरबा शहर के पोड़ीबहार निवासी जॉयना मसीह को एक दिन अचानक महसूस हुआ कि उनके सीने में दाईं तरफ एक गांठ हैं। उन्होंने गांठ की जांच कराई तो पता चला उन्हें ब्रेस्ट कैंसर है। जॉयना के पास पैसों की कमी थी और कैंसर का इलाज महंगा था। उनके रिश्तेदार ने बताया कि मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से कैंसर रोग के इलाज के लिए आर्थिक रूप से मदद मिल सकती है। यह सुनकर उनकी आंखों में उम्मीद की किरण चमक उठी। उनके परिजनों ने मुख्यमंत्री विशेष सहायता योजना से इलाज हेतु आर्थिक मदद के लिए स्वास्थ्य विभाग के पहुना कार्यालय रायपुर में आवेदन दिया। चिकित्सकीय परीक्षण एवं चिकित्सकों द्वारा तैयार रिपोर्ट के अनुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा उनके आयुष्मान कार्ड में 90 हजार रुपए जमा किए गए और आयुष्मान कार्ड में पहले से ही 45 हजार रुपए जमा थे।

जॉयना ने बताया कि कैंसर के इलाज के लिए उनकी 08 बार कीमो थैरेपी की गई, साथ ही उनका ऑपरेशन भी किया गया। उनके पति, मां और बहन ने उनके इलाज में कोई कमी नहीं की। परिजनों द्वारा अपनी सालों से जमा की हुई पूंजी व पैतृक संपत्ति का भी इलाज में उपयोग किया, परन्तु बेहतर उपचार के लिए पैसों की कमी सामने आ ही गई। ऐसे हालात में मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से मिले 01 लाख 35 हजार रुपए से बेहतर उपचार के साथ ही 21 दिन तक रेडिएशन किया गया। उचित उपचार के बाद वह अब स्वस्थ हैं और अपने सभी दैनिक कार्य सामान्य तरीके से कर रहीं हैं। जॉयना का कहना है कि मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से हुई मदद और इलाज से वह कैंसर जैसे गंभीर बीमारी से जंग जीती है, अब वह पूरी तरह स्वस्थ है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को इस कल्याणकारी योजना संचालन हेतु धन्यवाद देते हुए कहा कि इससे आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को बेहतर इलाज का लाभ मिल रहा है।

कलेक्टर ने ली मानव-हाथी द्वन्द रोकने हेतु गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक

हाथी प्रभावित क्षेत्रों में किसानों को तिलहन, बागवानी जैसे फसल लेने हेतु करें प्रोत्साहित

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जंगली हाथियों की सुरक्षा हेतु गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। उन्होंने जिले के हाथी प्रभावित क्षेत्रों में हाथी-मानव द्वंद को कम करने तथा जंगली हाथियों से होने वाली जनहानि को नियंत्रित करने हेतु प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर वनमण्डलाधिकारी कटघोरा कुमार निशांत, सीईओ जिला पंचायत दिनेश कुमार नाग, अपर कलेक्टर अनुपम तिवारी, सयुंक्त कलेक्टर मनोज बंजारे सभी एसडीएम सहित विद्युत, कृषि, उद्यानिकी, सहित अन्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कोरबा व कटघोरा वनमंडल में हाथियों की सुरक्षा, उन्हें रिहायशी इलाकों से दूर रखने, हाथी मानव द्वंद से होने वाली जनहानि को रोकने हेतु विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यो की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कोरबा एवं पोड़ी उपरोड़ा विकासखण्ड के हाथी प्रभावित क्षेत्रों में स्थित उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी के साथ ही शीघ्रता से उनका उठाव कराने

के निर्देश दिए। हाथियों को रिहायशी क्षेत्रों से दूर रखने में लगे वनाधिकारी, हाथी मित्र दिल एवं अन्य स्टॉफ को सतर्कता से कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही लॉ एंड ऑर्डर बनाये रखने हेतु वन पुलिस व राजस्व विभाग की टीम को विभाग की टीम का पूर्ण सहयोग प्रदान करने निर्देशित किया। कलेक्टर ने विद्युत विभाग को हाथी विचरण क्षेत्रों में वन्य प्राणियों को नुकसान पहुँचाने वाले कम ऊंचाई वाले हाईटेंशन विद्युत आपूर्ति तारों को दुरुस्त करते हुए ऊंचाई बढ़ाने के कार्य को तेजी से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही ऐसे क्षेत्रों में ग्रामीणों द्वारा लगाए जाने वाले अवैध हुकिंग पर भी कड़ाई से रोक लगाने हेतु निर्देशित किया। कलेक्टर ने बैठक में हाथियों द्वारा किए जाने वाले फसल नुकसान एवं जनहानि की घटनाओं पर यथाशीघ्र मुआवजे का वितरण कराने हेतु निर्देशित किया गया। इस हेतु राजस्व अधिकारियों को यथाशीघ्र घटना स्थल का मुआयना कर प्रकरण तैयार करने के लिए कहा। साथ ही जनहानि के प्रकरण में पुलिस व स्वास्थ्य विभाग द्वारा शीघ्रता से पोस्ट मार्टम रिपोर्ट सहित अन्य दस्तावेज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिससे पीड़ितों को त्वरित क्षतिपूर्ति प्रदान किया जा सके।

हाथी प्रभावित क्षेत्रों में किसानों को धान के अतिरिक्त अन्य तिलहन, सरसों, हल्दी, मिर्च, अदरक जैसी लाभकारी फसल सहित बॉयो फेसिंग के रूप में उपयोगी नींबू, कांटा बांस, कैक्टस विभिन्न प्रजाति की फसल लेने के लिए प्रोत्साहित करने की बात कही। वनमण्डलाधिकारी कटघोरा द्वारा जिले में हाथी-मानव द्वन्द रोकने की दिशा में विभाग द्वारा की जा रही कार्यवाही के संबंध में भी विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्र में जंगली हाथियों के आगमन की सूचना ग्रामीणों को विभाग द्वारा प्राथमिकता से दी जाती है एवं ग्रामीणों को अनावश्यक जंगलों में नहीं जाने हेतु जागरूक भी किया जा रहा है।

अवैध धान रोकने बॉर्डर में लगे 9 चेकपोस्ट

कोरबा (दिव्य आकाश)। कलेक्टर अजीत वसंत ने खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन अवधि के दौरान जिले के उपार्जन केंद्रों में अवैध धान के आवक पर नियंत्रण हेतु एवं कोचियों/बिचौलियों से अवैध धान खरीदी पर सतत् निगरानी रखने के लिए जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में चेकपोस्ट का गठन कर प्रभारी अधिकारी एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। निर्मित चेकपोस्ट में संबंधित तहसील के तहसीलदार को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। कुल 09 चेकपोस्ट बनाए गए हैं, जिसमें कुदमुरा चेकपोस्ट में कर्मचारी के रूप में जितेन्द्र सिंह कंवर पटवारी कुदमुरा, राजेश कुमार बैरागी, सचिव अमित सारथी रोजगार सहायक एवं रामदास महंत कोटवार कुदमुरा शामिल हैं। लबेद चेकपोस्ट में कर्मचारी सचिव लबेद गंगाप्रसाद साहू, सचिव सुपातरई दशरथ मार्को, रोजगार सहायक लबेद राजूराम पटेल, कोटवार लबेद अश्वनी चौहान शामिल हैं। कनकी चेकपोस्ट में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी उरगा रामलाल कंवर, सचिव कनकी एल.एन.सिंह राजपूत, सचिव गुमिया खिलेश कुमार, कोटवार कनकी विनोद कुमार सारथी शामिल हैं।

प्रीपेड बूथ से तय कर ऑटो रिक्शा किराये की सूची प्रमुख चौक चौराहों पर चस्पा करें : कलेक्टर

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कलेक्टर अजीत वसंत ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक में विभागीय कार्यो एवं शासकीय योजनाओं के कार्य प्रगति समीक्षा की। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रगति लाने एवं समय सीमा के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में कलेक्टर ने यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे स्टेशन में ऑटो प्रीपेड बूथ स्थापित करने और दूरी के हिसाब से किराया तय करते हुए शहर के प्रमुख चौक-चौराहों में किराया सूची प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। उन्होंने किराया सूची का वार्षिक समीक्षा करने तथा शहर में संचालित ऑटो रिक्शा को व्यवस्थित संचालन के संबंध में नगर निगम आयुक्त और जिला परिवहन अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में वनमंडलाधिकारी कटघोरा कुमार निशांत, कोरबा अरविंद पीएम, जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग, अपर कलेक्टर अनुपम तिवारी सहित अन्य सभी अधिकारी उपस्थित थे।

समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने 14 नवम्बर से प्रारंभ हुई धान खरीदी की समीक्षा करते हुए सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि वे संग्रहण केंद्रों का रैण्डमली सत्यापन करते रहें। उन्होंने अवैध रूप से धान खरीदी एवं परिवहन पर रोक लगाने तथा निरंतर कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समिति में धान बेचने आए किसानो को अनावश्यक किसी प्रकार की परेशानी नही होना चाहिए। सभी केंद्रों में बारदाने का पर्याप्त भंडारण हो सभी नोडल अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान रखें। कलेक्टर ने जिले में अवैध धान के परिवहन पर रोक लगाने हेतु सूचना तंत्र को सक्रिय करने एवं बिचौलियों पर पैनी नजर बनाए रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने भू-अर्जन, रिकॉर्ड के दुरूस्तीकरण में प्रगति लाने के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मारे जाने (हिट एण्ड रन) के मामलों में पीड़ित परिवारों को समय पर प्रतिकर राशि प्राप्त हो इसके लिए तहसीलदारों को संबंधित क्षेत्र के थानेदारों से समय पर रिपोर्ट प्राप्त करने, प्रकरणों को ट्रैक करने एवं एसडीएम को निरंतर जानकारी प्रेषित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आरबीसी 6-4 के प्रकरणों में मृत्यु दिनांक से दो माह के भीतर पोर्टल में संबंधित की जानकारी ऑनलाइन एंट्री तहसील स्तर पर करने के निर्देश दिए। उन्होंने नक्शा दुरूस्तीकरण के कार्यों में सबसे कम परफॉर्मेंस होने पर तहसीलदारों का वेतन रोकने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जिले में प्रधानमंत्री जनमन आवास निर्माण स्थिति की जानकारी लेते हुए सभी निर्माणरत आवासों को जनपद सीईओ के सुपरविजन में तेजी से पूरा कराने के लिए कहा। साथ ही एसडीएम को निर्माण कार्य नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएसपीडीसीएल को क्षेत्र के विद्युत विहीन बसाहटों, मजरा टोलों में विद्युत पहुंचाने के लिए शीघ्रता से सर्वे पूर्ण कराने के लिए कहा। समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने आयुष्मान कार्ड

बनाने, आयुष्मान वय वंदना योजना के कार्यों में प्रगति लाते हुए इस माह की 15 तारीख तक शत-प्रतिशत् लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का निराकरण, हाई और हायर सेकंडरी स्कूलों में साइकिल स्टैंड का निर्माण के क्रियान्वयन की जानकारी लेते हुए प्रस्ताव भेजने एवं शीघ्रता से कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र निर्माण की समीक्षा करते हुए सभी एसडीएम को पात्र लोगो का जाति प्रमाण पत्र बनवाने के निर्देश दिए। उन्होंने सुनालिया नहर रेलवे क्रॉसिंग में अंडर पास निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए प्रभावितों को जल्द से जल्द मुआवजा वितरण कराने और कार्य प्रारंभ करने के निर्देश एसडीएम कोरबा को दिए।

इस दौरान कलेक्टर ने विभागवार टीएल के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए माह अक्टूबर तक लंबित प्रकरणों को एक सप्ताह के भीतर निराकृत करने एवं कलेक्टर जनदर्शन के प्रकरणों पर परीक्षण कर निराकृत करने हेतु सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया।

पीएम आवासः रिक्त संविदा पदों हेतु दावा आपत्ति मंगाए गए

कोरबा (दिव्य आकाश)। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत रिक्त संविदा पद जिला समन्वयक-01, सहायक अभियंता-01, सहायक प्रोग्रामर-01, लेखापाल-01 सहायक ग्रेड तीन- 01 तथा जनपद स्तर के विकासखण्ड समन्वयक-04 पद एवं तकनीकी सहायक-04 पद की पूर्ति हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों का जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा परीक्षण उपरांत पात्र-अपात्र अभ्यर्थियों की प्रारंभिक सूची प्रकाशित कर 13 नवंबर तक दावा आपत्ति आमंत्रित किए गए हैं। इस संबंध में समिति के परीक्षण/निराकरण उपरांत पुनः संशोधित दावा आपत्ति 09 दिसंबर शाम 05 बजे तक पंजीकृत डाक के माध्यम से मंगाए गए हैं। दावा आपत्ति हेतु आवेदन का प्रारूप तथा संशोधित दावा आपत्ति का विस्तृत विवरण जिले की वेबसाइट 222.ड्ढश्रह्ड्डड्ढ.द्दश1.द्बठ्ठ पर देखा तथा डाउनलोड किया जा सकता है एवं जिला पंचायत के सूचना पटल पर चस्पा किया गया है।

प्रेरणा उत्सवः स्व. बिसाहू दास महंत स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय में भास्कर समूह ने आयोजित किया रक्तदान शिविर

कोरबा (दिव्य आकाश)।

दैनिक भास्कर समूह के चेयरमैन रहे स्व. रमेशचंद्र अग्रवाल जी के 80वें जन्म दिवस पर शनिवार 30 नवंबर को प्रेरणा उत्सव के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर दैनिक भास्कर परिवार द्वारा स्व. बिसाहू दास महंत स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कोरबा प्रेस क्लब के सचिव नागेन्द्र श्रीवास व पूर्व सचिव दिनेश राज समेत डिजीटल मीडियो एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेन्द्र डडसेना, सदस्य अशोक कुमार अग्रवाल, छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ के जिला सचिव जयसिंह नेताम, उप सचिव रायसिंह समेत 36 लोगों ने पहुंचकर रक्तदान किया जिससे 36 यूनिट रक्त संग्रहण हुआ। उक्त ब्लड चिकित्सालय में भर्ती गरीब मरीजों समेत डिलीवरी केस में भर्ती महिलाओं के जीवन रक्षा में काम आएगा।

प्रेरणा उत्सव के अवसर पर आयोजित उक्त रक्तदान शिविर का कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने चिकित्सालय पहुंचकर शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा प्रेरणा उत्सव पर रक्तदान शिविर आयोजित करके पुण्य का काम किया जा रहा है जो सराहनीय है। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि हरिश परसाई, एमआईसी मेंबर संतोष राठौर व किरण चौरसिया, कोरबा प्रेस क्लब अध्यक्ष राजेन्द्र जायसवाल, चिकित्सा महाविद्यालय के नवपदस्थ डीन डॉ. केके सहारे, संयुक्त संचालक सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. गोपाल कंवर, सहायक उप संचालक डॉ. रविकांत जाटवर, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. हनीश चावड़ा, दैनिक भास्कर के चीफ रिपोर्ट सुखसागर मन्नेवार उपस्थित थे।

पत्रकार संगठनों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

दैनिक भास्कर परिवार के रक्तदान शिविर में कोरबा प्रेस क्लब, डिजिटल मीडिया एसोसिएशन, छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कोरबा

प्रेस क्लब के संरक्षक एवं दैनिक भास्कर कोरबा के पूर्व ब्यूरो प्रमुख मनोज शर्मा समेत अखबार वितरक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनोद सिन्हा, प्रदेश संरक्षक पदम सिंह चंदेल व जिला अध्यक्ष विपेन्द्र कुमार साहू समेत अन्य पत्रकार संगठन के पदाधिकारी उपस्थित थे।

सेवाभावी संगठन व संस्था ने निभाई सहभागिता

प्रेरणा उत्सव पर आयोजित रक्तदान शिविर में हर बार की भांति इस बार भी छत्तीसगढ़ हेल्प वेलफेयर सोसायटी के ब्लड डोनेशन विंग के प्रमुख रोहित कश्यप पहुंचे और भरपूर सहयोग किया। आईसीटीसी की काउंसर वीणा मिस्त्री ने भी शिविर में सहभागिता निभाते हुए रक्तदाताओं के साथ पहुंचे लोगों को रक्तदान के लिए प्रोत्साहित किया। इसी तरह एचडीएफसी बैंक के ऑपरेशन मैनेजर रजनीकांत साहू व जूनियर ऑफिसर जितेश पांडेय भी पहुंचे। जिन्होंने ब्लड डोनेशन अवेयरनेस के लिए सीएसआर प्रोग्राम के तहत प्रत्येक रक्तदाताओं को अपने संस्था की ओर से रिर्फेसमेंट व गिफ्ट प्रदान किया।

उपवास का दिन, फिर भी पहुंचे रक्तदान करने

शहर के आरएसएस नगर निवासी संदीप सिंह बनाफर शिविर शुरू होते ही रक्तदान करने पहुंच गए।

ब्लड बैंक के कर्मियों ने उनकी दिनचर्या की जानकारी ली तो पता चला उनका उपवास का दिन था। ऐसे में वे उन्हें मना करने लग गए। तब उन्होंने कहा कि वे पर्याप्त फल खाकर पहुंचे हैं, उनको किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। इसके बाद उन्होंने 42वें बार रक्तदान किया। उन्होंने कहा कि उनका रक्त जरूरतमंदों की जीवन रक्षा में काम आता है इसलिए वे लगातार नियमित अंतराल के बाद रक्तदान करते हैं।

रक्तदान के दौरान पत्रकार अशोक अग्रवाल ने देहदान की घोषणा की

जमनीपाली निवासी पत्रकार अशोक कुमार अग्रवाल (46) प्रेरणा उत्सव के अवसर पर अपने साथियों के संग रक्तदान करने पहुंचे थे। जहां रक्तदान करने के दौरान रक्तदाताओं की कमी की तरह ही चिकित्सा महाविद्यालय में मानव देह की कमी का उन्हें पता चला। तब उन्होंने दैनिक भास्कर परिवार व मेडिकल कॉलेज प्रबंधन के साथ ही अपने साथियों के मौजूदगी में मृत्यु उपरांत देहदान की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उनका रक्त जहां जरूरत मरीजों के काम आएगा तो उनका शरीर जिंदगी बचाने के लिए तैयार होने वाले डॉक्टरों की शिक्षा में काम आएगी।

ब्लड की कमी को जाना तो करती है रक्तदान

शहर के जीएम ऑफिस एससईसीएल कॉलोनी निवासी कुमारी शबनम चौधरी (48) सिक्योरिटी ऑफिसर आरके चौधरी की पत्नी है। शनिवार को आयोजित रक्तदान शिविर में वह एकमात्र महिला डोनर थी जिन्होंने रक्तदान किया। उन्होंने बताया कि उनकी मां को किडनी का प्राब्लम था। जब उन्हें ब्लड की जरूरत हुई तो बहुत परेशान होना पड़ा। किसी तरह इंतजाम हुआ। बाद में मां का निधन हो गया। मां को जरूरत पड़ने पर ब्लड की कमी को जाना जिसके बाद से रक्तदान करने लगी। अब तक वह 7 बार रक्तदान कर चुकी है लेकिन कोरबा में डेढ़ साल से रहते हुए यह पहली बार है जब उन्होंने रक्तदान किया। उन्हें बहुत खुशी हुई।

साथी को लेकर पहुंचे थे, खुद भी किया रक्तदान

प्रेरणा उत्सव पर छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ के पदाधिकारियों के साथ जिला सचिव जयसिंह नेताम अपने साथी सह सचिव राय सिंह कंवर को लेकर रक्तदान कराने पहुंचे थे।

लेकिन इस दौरान शिविर में दूसरे रक्तदाताओं के उत्साह को देखते हुए उन्हें प्रेरणा मिली और वे स्वयं भी रक्तदान को तैयार हो गए। रक्तदान करने के बाद उन्होंने बताया कि उन्हें लगता था कि रक्त निकलने पर कमजोरी आ जाएगी पर ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। अब उनका खून मरीजों के काम आएगा।

ठेकेदार ने बंटाधार कर दिया जल जीवन मिशन का

पाली/कटघोरा (दिव्य आकाश)।

जल जीवन मिशन के तहत स्वीकृत कार्यों में ठेकेदार एवं अधिकारियों की जुगलबंदी से तकनीकी मापदंडों, गुणवत्ता को दरकिनार कर मनमाने ढंग से कराए जा रहे कार्यों को लेकर लिखित शिकायतों के बाद भी जिले में सम्बंधित फर्म के विरुद्ध जांच ठंडी पड़ी है।

ज्ञात हो कि जल जीवन मिशन के कार्यों को लेकर ग्रामवासी व जनप्रतिनिधि भी मुखर होने लगे हैं। इसकी 8 नवंबर को पोड़ी उपरोड़ा विकासखण्ड के ग्राम जटगा में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में किया गया जिसमें पाली ब्लॉक के 19 ग्राम पंचायतों में मेसर्स ज्योति इलेक्ट्रॉनिक्स कटघोरा के द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्यों की शिकायत की गई थी। सरपंच माखनपुर एवं ग्रामीणों ने फर्म के द्वारा कराए जा रहे कार्यों को तकनीकी मापदंडों के विपरीत गुणवत्ताहीन, स्तरहीन बताते हुए मामले में अंतर्विभागीय जांच समिति गठित कर 30 दिवस के भीतर जिम्मदारों का चिन्हांकन कर उचित कार्यवाही करने एवं जांच तक आगामी भुगतान राशि रोके जाने की मांग की है।

दर्जनों गांवों में है नल जल निर्माण कार्य आधा अधूरा

पंचायत प्रतिनिधियों ने शिविर में जो शिकायत की थी, उनमें पाली, कटघोरा, पोड़ी उपरोड़ा ब्लाक के दर्जनों गांवों में योजना आधी-अधूरी छोड़ दी गई है। ग्रामीणों ने बताया कि पाली ब्लाक के कोरबी, बतरा, हाथीबाड़ी, बम्हनीखुर्द, बड़ेबांका, पोलमी, चैतमा, चटुवाभौंना, पोड़ी, बनबांधा, पोटापानी, बगधरीडांड, कुटेलामुंडा, डोंगानाला, ईरफ, मुनगाडीह, शिवपुर, कांजीपानी, बम्हनीकोना सहित कई अन्य ग्राम पंचायतों में आज तक योजना पूरी नहीं हो पायी और अधिकारी ठेकेदार कागजों में योजना को सफल बता रहे हैं। इसी तरह कटघोरा, पोड़ी उपरोड़ा ब्लाक के कई पंचायतों में अधूरा निर्माण के साथ गुणवत्ताहीन निर्माण का खामियाजा ग्रामीण भुगत रहे हैं।

जांच एवं ठेकेदार पर कार्यवाही की मांग

पंचायत प्रतिनिधियों ने ठेकेदार ज्योति इलेक्ट्रानिक्स कटघोरा के खिलाफ जांच करते हुए कार्यवाही की मांग की है।

नियमानुसार नहीं हो रहा निर्माण कार्य

जल समस्या निवारण शिविर में कई पंचायतों के प्रतिनिधियों ने जल जीवन मिशन के कार्यों को लेकर जो शिकायत की थी, उसके अनुसार नल जल योजना अंतर्गत शुद्ध पेयजल आपूर्ति हेतु 90 एमएम पाइप लगाए गए हैं वह भी जमीन से महज एक से डेढ़ फीट एवं कई जगह ऊपर में ही बिछाया गया है जबकि नियम अनुसार जमीन से 3 फीट गहरा पाइप बिछाया जाना है। साथ ही पाइप बिछाने के पहले और बाद में रेत डालने का नियम है लेकिन रेत नहीं डाली गयी है। ऐसे ही कंक्रीट से बने सीसी रोड को जेसीबी मशीन से खोदकर मिट्टी से पाट दिया गया है। जो वर्षा के बाद मिट्टी से दबकर गड्ढे हो गए हैं इससे ग्रामीणों को आवागमन करने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इन गड्ढों में दो पहिया वाहन चालक एवं राहगीर आए दिन गिर कर चोटिल हो रहे हैं। यहां पिछले दो साल से आधा अधूरा कार्य कर छोड़ दिया गया है, इससे घर में गली में बने चबूतरा नल के लिए बनाया गया केसिंग पाइप और नल की टोटी क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। इसी प्रकार गली के पाइप से घर के नल चैंबर तक लगने वाली पाइप को भी जमीन के ऊपर 5 से 6 इंच में ही लगाया गया जबकि नियम 1 फीट गहरे में लगाने की है। इसे कभी भी भारी वाहन उसके ऊपर से गुजरने पर पाइप दबाकर क्षतिग्रस्त होने की आशंका है, जिससे कभी भी जल आपूर्ति बाधित हो सकती है।

घर में बनाए गए नल चबूतरा निर्माण करने में महज एक से डेढ़ बोरी सीमेंट से बेस तैयार किया गया है जबकि नियमानुसार ढाई बोरी सीमेंट का उपयोग किया जाना है उक्त महत्वाकांक्षी योजना में जमकर गुणवत्ताविहीन कार्य कर गोलमाल किया जा रहा है, जिससे केंद्र सरकार की नल जल जैसी महती योजना को अधिकारी-कर्मचारी एवं ठेकेदार के द्वारा धूमिल किया जा रहा है जांच उपरांत बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की पोल खुलेगी। यहां यह बताना लाजिमी होगा कि कटघोरा एसडीओ, सब इंजीनियर एवं निरीक्षणकर्ता अधिकारियों की जुगलबंदी से भ्रष्टाचार का यह खेल खेला जा रहा है।

कटघोरा क्षेत्र में शासन प्रशासन के निर्देशों की उड़ रही धज्जियां: लाल ईंटों का हो रहा उपयोग

जल जीवन मिशन एवं नल जल योजना के तहत कटघोरा अनुविभाग में कई जगह पानी टंकी का निर्माण कराया गया है। यहां पदस्थ एसडीओ के दिशा निर्देशों के अनुसार ठेकेदार शासन एवं प्रशासन के निर्देशों का खुला उल्लंघन कर रहा है। एनजीटी के निर्देशों की भी धज्जियां उड़ाई जा रही है। सुतर्रा-पसान-जटगा रोड में कई जगह पानी टंकी की सुरक्षा के लिए दीवार बनायी गई है। इन दीवारों के निर्माण में लाल ईंटों का उपयोग किया गया है। प्रशासन ने पहुंच विहिन स्थल पर लाल ईंट में निर्माण के लिए कुछ छूट दी है, लेकिन पोड़ी उपरोड़ा ब्लाक के मुख्य मार्गों में भी जमकर लाल ईंट का उपयोग किया गया है।

बनने से पूर्व ही मादन में बनी टंकी क्षतिग्रस्त

कलेक्टर एवं पीएचई के कार्यपालन अभियंता के कड़े निर्देशों के बाद भी कटघोरा एसडीओ एवं कटघोरा अनुविभाग में पदस्थ अधिकारियों की मनमानी कार्यशैली से ठेकेदार के हौसले बुलंद है। कटघोरा, पाली एवं पोड़ी उपरोड़ा ब्लाक में जल जीवन मिशन का क्या हाल है, यह मादन में निर्माणाधीन टंकी के हाल से पता चल सकता है। डेढ़ वर्ष पूर्व मादन में जल जीवन मिशन की पानी टंकी बनायी गई थी, जो अब तक अधूरी है और निर्माण से पूर्व ही क्षतिग्रस्त हो रही है। यहां के ग्रामीणों ने बताया कि ठेकेदार द्वारा पानी टंकी का निर्माण गुणवत्ताहीन कराया गया है, यह अभी निर्माणाधीन है फिर भी क्षतिग्रस्त हो रही है। ठेकेदार ने आधा अधूरा काम को पूरा किये बिना ही गायब हो गया है और डेढ़ साल से यहां काम बंद है। सीढ़ी का निर्माण भी नहीं कराया गया है।

इस तरह के कई कार्य अवलोकन करने पर पता चल जाएगा कि कटघोरा, पाली एवं पोड़ी उपरोड़ा ब्लाक में नल जल योजना का किस तरह ठेकेदार और अधिकारी बंटाधार करने में लगे हुए हैं।

कागजों में मिल रहा घरों में शुद्ध पेयजल

जनपद पंचायत पाली के क्षेत्र क्रमांक 14 के जनपद सदस्य योगलक्ष्मी अनिल मरावी ने कहा ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल कागजों में मिल रहा है। मोदी की गारंटी नल जल योजना पूरी तरह विफल साबित हो रही है। मेरे क्षेत्र में विगत दो वर्षों से नल जल योजना का काम आधा अधूरा छोड़ दिया गया है और अधिकारी एवं ठेकेदारों ने निर्माण कार्य को लटका दिया है। यह सब भ्रष्टाचार का खेल खेलने के लिए किया गया है और ग्रामीणों को बेवकूफ समझकर उनकी योजना को भ्रष्टाचार का जरिया बना लिया गया है लेकिन ग्रामीण अब जागरूक हो गए हैं। योग लक्ष्मी ने कहा गली मोहल्ले को खोदकर तहस-नस कर दिया गया है जिसका खामियाजा ग्रामीण जनताओं को भुगतना पड़ रहा है। ठेकेदार से विभागीय सांठगांठ है। इसका एक ही विकल्प हैं पीएचई कार्यालय का घेराव करेंगे।

नल-जल ड्रीम प्रोजेक्ट धरातल पर विफल

जनपद पंचायत पाली क्षेत्र क्रमांक 13 के जनपद सदस्य राजकुमार कंवर ने कहा पानी की समस्या को देखते हुए नल जल योजना को ड्रीम प्रोजेक्ट बनाया गया ताकि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को शुद्ध पानी मिल सके लेकिन धरातल पर नल जल योजना पूरी तरह विफल साबित हो रही है। हर घर नल-हर घर जल धरातल पर पूरी तरह नहीं उतर सका है। जनपद सदस्यों के साथ चर्चा कर आधा अधूरा निर्माण कार्यों की शिकायत मुख्यमंत्री से करेंगे। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में कार्य एजेंसी ठेकेदार को कई बार निर्माण कार्य में सुधार के लिए कहा गया, लेकिन अधिकारियों की सांठ गांठ से ठेकेदार निरंकुश दिखे।

विशेष पिछड़ी जनजाति पंडो के संरक्षण एवं उनका जीवन स्तर सुधारने में सरकारी तंत्र हो रहा फेल

पाली (दिव्य आकाश)।

जनपद पंचायत पाली के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रामाकछार के आश्रित मोहल्ला में निवासरत विशेष संरक्षित पिछड़ी जनजाति पंडो के संरक्षण में सरकारी तंत्र पूरी तरह फेल नजर आ रहा है। पंडो जनजाति के लोग राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहलाते हैं। राष्ट्रपति के इन दत्तक पुत्रों की हालत में सुधार लाने के लिए 2014 में पंडो अभिकरण बनाने के बाद भी धरातल पर कुछ नहीं दिखा। इस संरक्षित अति पिछड़ी जनजाति की अनदेखी शासन-प्रशासन कैसे कर रहा है, यह तब उजागर हुआ है, जब पाली के हमारे प्रतिनिधि ने खबर कवरेज करने के दौरान गांव ललमटिया में पहुंचे, जहां जनजातियों की बुरी स्थिति सामने आई।

विडंबना तो यह है कि वनवासी जीवनशैली और सामाजिक ताने-बाने में जीवनयापन करने वाले इस विशेष पिछड़ी जनजाति को मुख्यधारा में लाने के दावे सिर्फ कागजों तक सीमित हैं। यदि इस संरक्षित जनजाति को वास्तव में संरक्षित करना है तो इसके लिए जो योजनाएं बनती हैं, वे कागजी न हों। इस समाज के कुछ युवा पढ़-लिखकर शासकीय सेवा में कार्यरत हैं। अगर इस जनजाति की नई पीढ़ी को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा, एक-एक पंडो परिवार को शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी जरूरतें उपलब्ध कराई जाएंगी, तभी इन्हें संरक्षित किया जा सकता है। दरअसल, इन्हें महाभारत के पांडवों का

वंशज भी माना जाता है। ललमटिया में पंडो की तीन पीढ़ियों से निवास करते आ रहे हैं। वर्तमान में 25 परिवार निवास कर रहे हैं। पण्डो सड़क, पुल पुलिया, पानी, बिजली जैसी जरूरी सुविधाओं से वंचित हैं। पानी की समस्या का आलम यह है कि महिलाएं रोज पैदल उबड खाबड़ पथरीली रास्तों से खाई में उतरती हैं तब उन्हें ढोढ़ी का पानी मिलता है। महिलाएं जंगल के कठिन रास्ते से सर पर डेचकी (एल्युमिनियम का घड़ा) में पानी भरकर घर लाती हैं। उनकी बस्ती में एक हैंडपंप है वह भी ठीक से पानी नहीं देता। 50 वर्षों से पण्डो जनजाति के लोग रह रहे हैं लेकिन पानी के साथ सड़क बिजली की सुविधा नहीं है। दिव्य आकाश की टीम जब पण्डो के बीच पहुंची, तब उन्होंने टीम से ही सवाल करने लग गए कि आप ही बताएं यहां क्या सुविधा दिखाई दे रही हैं? उन्होंने कहा योजना लाभ बड़े लोग ले रहे हैं उनके घरों के आसपास सभी सुविधाएं होती है। लेकिन हम पण्डो के प्रति किसी का ध्यान नहीं है। वही पीएम आवास योजना से मकान नहीं मिलने से भी खासा नाराज हैं। सक्षम लोगों को योजना के तहत मकान मंजूर हुए हैं, लेकिन एक भी गरीब परिवार को यहां मकान नहीं मिला है। यहां बताना होगा कि पण्डो जनजाति को राष्ट्रपति ने गोद लिया था, इनके विकास के लिए पांडव विकास प्राधिकरण बना है, इसके बावजूद यहां के पण्डो जनजाति के लोग पशुत्तर जिंदगी जीने मजबूर हैं

पंडो परिवार ने कहा- कलेक्टर साहब कब आएंगे हमारे गांव और हमारे गांव तथा हमारा जीवन कब समृद्ध होगा

पंडो परिवार का दर्द-ए-बखान

प्रिवन सिंह पंडो का कहना है कि हम पंडो परिवार रामाकछार के लालमट्टीपारा में निवास करते 50 वर्ष हो गए, लेकिन हमारा जीवन लालटेन से ऊपर नहीं आ पाया। हमने अभी तक बिजली की की रोशनी नहीं देखी। पूरी दुनिया चांद पर पहुंच गई और हम बरसात के दिनों में नाला पार कर आवागमन करते हैं। प्रशासन ने नाले में पुल तक नहीं बना पाया।

उमेंद सिंह पंडो का कहना है कि लाईट नहीं होने से रात के अंधेरे में निकलना मुश्किल हो जाता है, बरसात के दिनों में जहरीले जंतुओं सहित जंगल में जानवरों का खतरा बना रहता है। हमें कई बार खतरों से सामना करना पड़ा।

इतवार सिंह पंडो का कहना है पहुंच विहीन है हमारी बस्ती। दो से तीन किलो मीटर तक सड़क नहीं, दो तीन किलो मीटर सड़क बन जाए तो बस्ती तक गाड़ियां पहुंचने लगेंगी, लेकिन 50 साल में यहां की सड़क नहीं बनी। उन्होंने कहा- कलेक्टर साहब यहां कब आएंगे।

बदली छाने से दिन में ठंड गायब

कोरबा (दिव्य आकाश)। समुद्री तूफान फेंगल का असर तीन दिन बाद भी देखने को मिल रहा है। कोरबा में बूंदा बांदी होने के साथ-साथ गत तीन दिनों से बदली छायी हुई है, जिसके कारण दिन में ठंड गायब हो गई है और तीन डिग्री सेल्सियस तक गर्मी बढ़ी है।

शीघ्र किराए से देना है

कोरबा के हृदय स्थल टी.पी. नगर कोरबा होटल ब्लू डायमंड के सामने प्रथम मंजिल में स्थित 3000 स्क्वायर फीट हॉल जिसमें 2 सेप्रेट वाशरूम, फाल सिलिंग, विट्रीफाइड फ्लोर एवं डबल डेकर नीचे 12 X 16, ऊपर 12 X 32 दुकान शीघ्र किराए पर देना है।

संपर्क करें:-
गोपाल राय सोनी
श्रीराम कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, नया बस स्टैंड के समीप, टी.पी. नगर कोरबा
मो.: 77480-44444, 88270-47777

|| श्री गणेशम्किाभ्याम नमः || श्री धनवन्तरयै नमः ||

आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श केन्द्र

गाठिया, जोड़ों का दर्द, साईटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो आदि।

Dr. Yugesh Sharma
M.D. (N.M.) Regn. 51049/16

पतंजलि | श्रीश्री आयुर्वेद | बैद्यनाथ | Dabur | SNA | ZANDU

आयुर्वेदिक

शराब छुड़ाने का हर्बल दवा

सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं चिल्हर विक्रेता

एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...

शिव हर्बल मेडिकल स्टोर
शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945

LIC है तो कहीं और क्यों जाएं...?

बीमा धन सुरक्षित धन

भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

आज ही बीमा कराएं अपने और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित एवं बेहतर बनाएं

नई योजनाओं की जानकारी आज ही लें।

सालिक राजवाड़े (बीमा अभिकर्ता)
वेदांत बीमा सेवा केंद्र
इंदिरा चौक के पास पथर्रीपारा जिला-कोरबा
मो.नं.-90987-52955, 99262-57886

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक युधिष्ठिर राजवाड़े द्वारा आकाश आफसेट टीपी नगर कोरबा से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com